भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 8 मई - 14 मई, 2024

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

वैशाख, पक्ष - कृष्ण, तिथि - अमावस्या , संवत 2081 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-10, अंक-11, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

परिंडों के बहाने उमड़ रही जीव दया, बिन पानी सब सून!

दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये, जब लग घट में प्राण।।

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

हमारी भारतीय संस्कृति दया, धर्म और कर्म पर आधारित है। यहां जलचर, थलचर और नभचर। तीनों ही तरह के जीवों को प्रकृति से जोड़कर उनकी किसी ना किसी बहाने पूजा की जाती है। उनको खाने पीने के लिए कुछ न कुछ व्यवस्था भी की जाती है। जैसे पानी में रहने वाले जीव यथा मछलियों के लिए आटा, थलचरों में गाय-बैल भी पूजनीय माने जाते हैं और पक्षियों में कौए को भी श्रद्धा से बुलाया जाता है। इसी कड़ी में गर्मियों के दिनों में जानवरों को पानी पीने के लिए खेड़ भरी जाती है। कई जगह पर नदी और तालाब सूख जाते हैं तो उनमें वैकल्पिक रूप से पानी भरा जाता है। पक्षियों के लिए परिंडे लगाए जाते हैं। ताकि झुलसती हुई इस गर्मी में उन्हें पानी उपलब्ध हो सके। इस दौरान पार्क और उद्यानों सहित अनेक जगह पेड़ों के तनों पर परिंडे बांधने की होड़ सी लगी हुई है। जिधर देखो उधर ही परिंडे लगाने के समाचार सुने और पढ़े जा रहे हैं। एक दो परिंडे नहीं, सैकड़ों की संख्या में। इसी तरह एक-दो पुरुष या महिलाएं नहीं, बल्कि दसियों पुरुष महिलाएं परिंडे बांधने को पुण्य प्राप्त करने का अवसर समझ कर कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। वो भी सजधज कर। आजकल फोटो खींचने और खिंचवाने चलन है। परिंडे के साथ फोटो खिंचवाना और उसे समाचार पत्रों में अगर कोई जानकार हो तो, प्रकाशित करवा दी जाती है। वरना सोशल मीडिया तो अपना है ही। कई एनजीओ संचालक इसी बहाने अपना डोनेशन जुटाने में भी सक्रिय रहते हैं। मान लिया कि किसी भी बहाने मूक पक्षियों के लिए परिंडे तो बंध गए। फोटो भी छप गई या सोशल मीडिया पर दौड़ गई। मगर पहले दिन के अलावा अगले दिन से पेड़ों पर बांधे गए परिंडे बेचारे खाली हिलते रहते हैं। उनमें कोई पानी नहीं भरता। प्यासे पक्षी आते हैं और एक से दूसरे परिंडे पर पानी के लिए उड़ते-भटकते रहते हैं। ऐसी भी क्या मजाक पक्षियों के साथ। दूसरी तरफ जो जंगली जानवर हैं उनका तो कोई धणी-धोरी ही नहीं है। एक तरफ तो पानी की तलाश में इधर-उधर भटकाव और दूसरी तरफ भूखे प्यासे हिंसक पशु निरीह और निरामिष पशुओं का शिकार कर लेते हैं। जंगल में रहने वाले पशु पानी की तलाश में आबादी क्षेत्रों में घुस आते हैं। ऐसे में लोग भय के मारे उसे मारने-कूटने लग जाते हैं। मार से कोई जानवर घायल हो जाता है तो मानव हिंसा का शिकार होकर कालकवलित हो जाता है।

shivdayalmishra@gmail.com

कांग्रेस पर बरसे पीएम मोदी, कसाब के मुद्दे पर घेरा

गठबंधन की हार से सीमा पार भी हताशा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मुंबई। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के अहमदनगर में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने 26/11 के मुंबई आतंकी हमले में शामिल आतंकी कसाब का मुद्दा उठाया और कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर कसाब का पक्ष लेने का आरोप लगाया है।

गठबंधन की 4 जून को एक्सपायरी डेट

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, आज तीसरे चरण का मतदान चल रहा है, हर ओर बीजेपी और एनडीए को भरपूर समर्थन मिल रहा है। तीसरे चरण के मतदान ने ये साफ कर दिया है कि 4 जून को इंडी-आघाड़ी की एक्सपायरी डेट तय हो गई है। 4 जून के बाद इंडी-अघाड़ी वालों की झंडी उठाने वाला भी कोई नहीं मिलेगा। चुनाव से पहले ये जो भानुमति का कुनबा जुड़ा था, ये 4 जून को रेत के टीले की तरह बिखर जाएगा।

'इस बार संतुष्टिकरण का चुनाव है'

विपक्ष पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा, "इस बार का चुनाव संतुष्टिकरण और तुष्टिकरण के बीच हो रहा है। बीजेपी-एनडीए का पूरा प्रयास अपनी मेहनत से देशवासियों को संतुष्ट करने का है, वहीं इंडी-अघाड़ी वाले अपनी साजिशों से अपने वोट बैंक के तुष्टिकरण में लगे हैं।" उन्होंने कहा, "हमारा मुद्दा विकास, गरीब कल्याण, राष्ट्रीय सुरक्षा, देश का सम्मान है।

सरकार बनते ही पूरे देश के किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा- राहुल गांधी

रांची @ जागरूक जनता। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज झारखंड में दो चुनावी रैलियां को संबोधित करते हुए लोगों से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को जीत दिलाने का आह्वान किया। गांधी ने गुमला के बसिया में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर निशाना साधते हुए आदिवासी, बेरोजगारी, अग्निवीर समेत कई मुद्दों पर उसे घेरा? । उन्होंने देश में नईस रकार बनते ही सरना धर्म कोड लागू करने, गरीब किसानों का कर्ज माफ करने और गरीब परिवार की महिला के खाते में सालाना एक लाख रुपए यानी साढ़े आठ हजार रुपए महीने देने का वादा किया।उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही पूरे देश के किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनते ही गरीब परिवारों की लिस्ट बनेगी।

तीसरे चरण में मतदान 61% से अधिक

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण में मंगलवार को 11 राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेश दादर-नगर हवेली और दमन एवं दीव की 93 सीटों पर कुल मिलाकर शांतिपूर्ण ढंग से हुये मतदान में 61.57 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। मतदान के अंतिम आंकड़े इससे अधिक हो सकते हैं। साथ ही लोकसभा की 543 सीटों में से 283 सीटों पर प्रत्याशियों का भाग्य इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों में दर्ज हो गया है। तीसरे चरण में शामिल सीटों में सामान्य- 72, अनुसूचित जनजाति- 11 और अनुसूचित जाति के लिये आरक्षित 10 सीटें शामिल थीं। मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चला। देश के कई इलाकों में तेज और गर्मी के के बीच मतदान का प्रतिशत तीसरे चरण में भी तुलनात्मक रूप से कम रहा। चुनाव आयोग के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार असम में सबसे अधिक 75.30 प्रतिशत जबकि महाराष्ट्र 54.98 प्रतिशत वोट पड़े।

Haryana Politice : हरियाणा सरकार अल्पमत में!

3 निर्दलीय विधायकों ने लिया समर्थन वापस

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चंडीगढ़। हरियाणा में तीन निर्दलीय विधायकों ने बीजेपी की नायब सिंह सैनी सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। निर्दलीय विधायकों के बीजेपी से नाता तोड़ने के बाद राज्य की बीजेपी सरकार अल्पमत में आ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन विधायकों ने कांग्रेस को समर्थन दे दिया है। हरियाणा में जिन तीन निर्दलीय विधायकों ने बीजेपी सरकार से समर्थन वापस लिया है, उनमें चरखी दादरी से विधायक सोमवीर सांगवान, नीलोखेड़ी से धर्मपाल गोंदर और पुंडरी से रणधीर गोलन शामिल हैं। इन तीनों विधायकों ने रोहतक में पूर्व सीएम और हरियाणा कांग्रेस के सीनियर नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मौजूदगी में समर्थन का ऐलान किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह बोले...

तीन निर्दलीय विधायकों के सरकार से हटने के सवाल पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, "मुझे इस बारे में जानकारी मिली है। हो सकता है कि अब कांग्रेस कुछ लोगों की इच्छा की पूर्ति करने में लगी हो। कांग्रेस को जनता की इच्छाओं से कोई लेना-देना नहीं है।"

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज

ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

राज्य में बाल विवाह के प्रभावी रोकथाम के लिए उच्च न्यायालय ने किए आदेश जारी

बाल विवाह रोकने की जिम्मेदारी पंच-सरपंच सब पर...

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रदेश में बाल विवाह रोकथाम के लिए आदेश जारी कर बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 प्रभावी होने के बावजूद भी बाल विवाह हो रहे है। पंचायती राज नियम 1996 में बाल विवाह रोकने का दायित्व सरपंच पर है। न्यायालय ने अंतरिम उपाय के तौर पर यह निर्देश दिए है कि बाल विवाह को रोकने के लिए जाँच के संबंध में रिपोर्ट ली जावे। न्यायालय के आदेश मुख्य सचिव, सभी जिला मजिस्ट्रेट को प्रेषित करते हुए यह निर्देश दिए है कि उक्त आदेश को पंच, सरपंच तथा अन्य प्राधिकारियों को प्रसारित कर बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम की जाए।

बाल विवाह की रोकथाम हेतु होगी निरन्तर निगरानी

आदेश के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा बाल विवाह जैसी कुप्रथा की रोकथाम हेतु अक्षय तृतीया (आखातीज) जैसे पर्वों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अन्य सावों पर भी विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाहों के आयोजन की संभावनाएं रहती हैं। अतः बाल विवाह की रोकथाम हेतु निरन्तर निगरानी रख क्षेत्र में बाल विवाह नहीं होना सुनिश्चित किया जाये।

व्यापक प्रचार-प्रसार और जनजागृति से बाल विवाह रोकने के होंगे प्रयास

बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम के लिए ग्राम एवं तहसील स्तर पर पदस्थापित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर, आम जन को जानकारी कराते हुए जनजागृति उत्पन्न कर, बाल विवाह रोके जाने के लिए कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

जन सहभागिता व चेतना जागृत करने की कार्य योजना

- जिला व ब्लॉक स्तर पर गठित विभिन्न सहायता समूह, महिला समूह, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाडी कार्यकर्ता, महिला सुरक्षा सखी, साथिन सहयोगिनी के कोर ग्रुप को सक्रिय किया जाये।
- ऐसे व्यक्ति व समुदाय जो विवाह सम्पन्न कराने में सहयोगी होते हैं यथा हलवाई, बैण्ड बाजा, पंडित, बाराती, टैंट वाले, ट्रांसपोर्टर इत्यादि से बाल विवाह में सहयोग न करने का आश्वासन लेना और उन्हें कानून की जानकारी देना।
- विवाह हेतु छपने वाले निमंत्रण पत्र में वर-वधु के आयु का प्रमाण प्रिन्टिग प्रैस वालो के पास रहे अथवा निमंत्रण पत्र पर वर-वधु की जन्म तारीख प्रिन्ट किये जाने हेतु बल दिया जावे।
- अक्षय तृतीया, पीपल पूर्णिमा जैसे अबूझ सावों पर जिला एवं उप खण्ड कार्यालयों में नियंत्रण कक्ष स्थापित किये जावें जो 24 घण्टे क्रियाशील रहेगें तथा नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नं. सार्वजनिक स्थानों पर चस्पा किया जावे।
- बाल विवाह की रोकथाम हेतु 181 कॉल सेन्टर पर तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष के 100 नम्बर पर कॉल कर कभी भी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। इसका भी व्यापक प्रचार प्रसार किया जावे।

पश्चिमी जिलों में 'लू' के तेवर

18 जिलों का पारा 40 के पार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान की मरूभूमि में अब तीखी गर्मी शुरू हो गई है। यहां अधिकतर जिलों का तापमान सामान्य से कहीं ज्यादा पहुंच चुका है। वहीं अब 'लू' भरी गर्म हवा भी चलना शुरू कर दिया है। पश्चिम राजस्थान के जिलों में 'लू' के तेवर दिखने लगे हैं। बताया जा रहा है कि राजस्थान के 18 जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। वहीं बाड़मेर और जैसलमेर में लू के तेवर दिखने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार 8 मई को प्रदेश के 7 जिलों अलवर, भरतपुर, धौलपुर, बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, और जोधपुर में लू का प्रकोप नजर आएगा। गुरुवार 9 मई को प्रदेश के 18 जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है, जिनमें अलवर, भरतपुर, धौलपुर, जयपुर, झुंझुनूं, करौली, सवाई माधोपुर, सीकर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर और गंगानगर जिले शामिल हैं।

अगर जमानत मिलती है तो आप फाइलें साइन नहीं कर सकते- अरविंद केजरीवाल से सुप्रीम कोर्ट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई खत्म हो गई है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत पर कुछ नहीं कहा, बिना कुछ कहे बेंच उठ गई और अंतरिम जमानत पर फिलहाल आदेश नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कथित शराब नीति घोटाले में गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय से कई महत्वपूर्ण सवाल पूछे. सुप्रीम कोर्ट ने जांच में देरी पर ईडी से सवाल किया कि दिल्ली आबकारी नीति मामले में गवाहों, आरोपियों से सीधे प्रासंगिक सवाल क्यों नहीं पूछे गए कोर्ट ने ईडी द्वारा जांच में लिए गए समय पर सवाल उठाया और कहा कि उसने चीजों को सामने लाने में दो साल लगा दिए।

Jaipur Traffic : परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा संचालन का प्लान अधिसूचना के लिए जिला कलक्टर को भेजा

वृंदावन की तर्ज पर राजधानी में चलेंगे ई-रिक्शा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी में वर्षों से लंबित चल रही ई-रिक्शा संचालन की योजना अब धरातल पर आने वाली है। परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा संचालन का प्लान बनाकर जिला कलक्टर को अधिसूचना जारी करने के लिए भेज दिया है। आचार संहिता के कारण अभी अधिसूचना जारी नहीं की जा रही है। जून में अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

राजधानी में ई-रिक्शा संचालन के लिए 10 जोन बनाए गए हैं। इसके अलावा अयोध्या और वृंदावन की तर्ज पर ई-रिक्शा का संचालन करने की तैयारी की जा रही है। आरटीओ प्रथम ने इसकी रूपरेखा तय कर ली है। इसके अलावा नगर निगम ग्रेटर और हैरिटेज के क्षेत्र में ई-रिक्शा के जोन बांटे गए हैं। ग्रेटर को जी और हैरिटेज को एच जोन का नाम दिया गया है।

स्कैन करते ही पता चलेगी चालक की जानकारी

अयोध्या और वृंदावन की तर्ज पर शहर में ई-रिक्शा को जोनवार बांटने के अलावा बार कोडिंग करवाई जाएगी। ई-रिक्शा चालकों की पूरी जानकारी पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। यातायात पुलिस जैसे ही बारकोड को स्कैन करेगी, चालक का नाम, पता और वाहन की डिटेल मोबाइल पर आ जाएगी। इससे किराए पर चलने वाले ई-रिक्शा पर लगाम लग जाएगी। तय संख्या में ही ई-रिक्शा चलेंगे। शहर में ई-रिक्शा से जाम के हालात नहीं होंगे।

ई-रिक्शा के लिए बनेंगे 80 पार्किंग स्थल

शहर में ई-रिक्शा के लिए 80 स्थानों पर पार्किंग की जगह तय की जा रही है। नगर-निगम हैरिटेज की ओर से यह सूची आरटीओ को सौंप दी गई है। आरटीओ और पुलिस ई-रिक्शा पार्किंग के लिए चिन्हित स्थानों की रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपेंगे। इस संबंध में डीटीओ प्रवर्तन (परिवहन विभाग), डीसीपी (ट्रैफिक) और नगर निगम हैरिटेज उपायुक्त (राजस्व) की एक कमेटी का गठन किया गया है।

इन जोन में संचालन का हुआ निर्णय

जोन	संख्या	रंग
ग्रेटर निगम		
विद्याधर नगर (जी1)	4500	हल्का नीला
झोटवाड़ा (जी2)	2500	लाल
सांगानेर (जी3)	3500	नारंगी
मानसरोवर (जी4)	3000	पीला
जगतपुरा (जी5)	2500	भूरा
मालवीय नगर (जी6)	3500	हरा
हैरिटेज निगम		
हवामहल (एच1)	3000	ग्रे
सिविल लाइन (एच2)	3500	मेहरुन
किशनपोल (एच3)	4000	गुलाबी
आदर्शनगर (एच4)	3000	रॉयल ब्लू
जयपुर मेट्रो		व्हाइट

SMS हॉस्पिटल में AIIMS की तर्ज पर बनेगा टावर

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सवाई मानसिंह अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए राहत की खबर है। अब उन्हें दवा लेने, जांच करवाने और रिपोर्ट लेने के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अस्पताल में एम्स की तर्ज पर एक टावर बनाया जाएगा। जहां एक ही छत के नीचे मरीजों को सभी सुविधाएं उपलब्ध मिल सकेंगी।

एसएमएस अस्पताल में हर साल मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। न केवल राजस्थान बल्कि उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली समेत कई राज्यों से मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। बढ़ती आवश्यकता व क्राउड मैनेजमेंट के मद्देनजर धन्वंतरि ब्लॉक के सामने छह मंजिला एक भव्य टावर बनाया जाएगा। इस पर करीब 15 करोड़ खर्च होंगे। उसमें सोनोग्राफी सेंटर, ईसीजी जांच कक्ष, एक्सरे रूम, सेंट्रल लैब होगी। इसमें दवा वितरण काउंटर, सैंपल कलेक्शन सेंटर व रिपोर्ट कलेक्शन सेंटर बनाए जाएंगे। इसके बनने के बाद मरीजों को एक ही स्थान पर दवा, सैंपल कलेक्शन व जांच रिपोर्ट लेने की सुविधा मिल सकेगी।

यों मिलेगी राहत

अस्पताल में ओपीडी व आइपीडी मरीजों को वर्तमान में दवा के लिए भटकना पड़ता है। जो दवा मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना के काउंटर पर उपलब्ध नहीं उसके लिए अलग काउंटर पर कतारों में जूझना पड़ता है। ऐसा ही हाल आइपीडी मरीजों का होता है। दवाओं के लिए मरीज व उनके परिजन को भटकना पड़ता है। जांच के सैंपल जमा करवाने और जांच रिपोर्ट लेने के लिए भी परेशानी होती है।

मरीजों की जरूरत देखते हुए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस कड़ी में दवा, जांच सैंपल कलेक्शन के लिए एक अलग से टावर बनाया जा रहा है। सरकार से स्वीकृति मिल चुकी है। जल्द काम शुरू हो जाएगा।

डॉ. अचल शर्मा, अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल

बाल वाहिनी में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे!

छात्र सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग का बड़ा फैसला

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में लगातार बढ़ रहे स्कूली वाहनों से होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने अब बड़ा फैसला लिया है। स्कूली स्टूडेंट को ले जाने वाली बसों और अन्य बाल वाहिनियों में अब सीसीटीवी कैमरे लगाए जाना अनिवार्य होगा।

प्रदेश के अधिकतर सभी स्कूलों में स्कूली परिवहन सुरक्षित नहीं है सिर्फ ग्रामीण इलाके ही नहीं बल्कि बड़े-बड़े शहरों के स्कूलों में भी स्कूली परिवहन से जुड़े नियम और कायदों को फॉलो नहीं किया जा रहा यही कारण है कि बीते कुछ महीनो से प्रदेश में लगातार स्कूली वाहनों से जुड़ी सड़क दुर्घटनाओं की खबरें सामने आ रही है। प्रदेश के कई नौनिहाल स्कूल प्रबंधन की लापरवाही के भेट चढ़ चुके हैं। प्रदेश के अधिकतर स्कूलों का ध्यान सिर्फ फीस वसूलने पर है बच्चों की सुरक्षा को लेकर अधिकतर स्कूल काफी लापरवाह नजर आ रहे हैं। समय-समय पर परिवहन विभाग ने नियमों के विपरीत चल रही बाल वाहिनियों के विरुद्ध जांच अभियान भी चलाएं हैं और इन जांच अभियानों में बहुत बड़े पैमानों पर स्कूली वाहनों में गड़बड़ी मिली है।

लेकिन सच्चाई यह है कि स्कूलों की तरफ से इस और कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा जिससे स्कूटी वाहनों से स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा हमेशा खतरे में रहती है। परिवहन विभाग ने अब एक बड़ा फैसला लेते हुए सभी बाल वाहनियों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने के आदेश जारी किए हैं। बलवानियों में लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरा की मॉनिटरिंग सभी स्कूलों को करनी होगी जिससे स्टूडेंट की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और उन्हें स्कूल से घर और घर से स्कूल के सफर में कोई खतरा नहीं हो।

बालवानियों में सीसीटीवी कैमरे लगने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आ सकेगी क्योंकि अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं स्कूलों की ओर से मॉनिटरिंग नहीं होने के कारण हो रही है बाल वाहिनियों में सीसीटीवी कैमरे लगने के बात स्कूल प्रबंधन आसानी से स्कूली वाहनों की मॉनीटरिंग कर सकेंगे। अभी प्रदेश में शायद ही कोई ऐसा स्कूल हो जिसके स्कूली वाहन में सीसीटीवी कैमरे लगे हो ऐसे में सीसीटीवी कैमरे लगने से स्कूली बच्चों का सफर सुरक्षित हो सकेगा।

बाल वाहिनियों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के नियम

- » प्रत्येक बाल वाहिनी में लाइव कवरेज रिकॉर्डिंग के लिए शिक्षण संस्था के वाहनों में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य होगा।
- » बाल वाहिनी में सीसीटीवी कैमरे इस तरह से लगाए जाएंगे जिससे वाहन के अंदर का पूरा दृश्य दिखाई दे।
- » 9 से अधिक क्षमता की सीट वाली शिक्षण संस्था बस में कम से कम दो सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे 9 से कम सीट क्षमता वाले वाहनों में कम से कम एक सीसीटीवी कैमरा लगाना होगा।
- » स्कूली बस में छात्रों के चढ़ने और उतरने के लिए प्रयोग किए जाने वाले गेट को भी सीसीटीवी कैमरे से कवर करना होगा।
- » बाल वाहिनी चालक द्वारा कैमरे हमेशा चालू हालत में रखना आवश्यक होगा कैमरा बंद पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।
- » बाल वाहिनी वाहनों में लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरे 4जी तकनीक युक्त होंगे जिस कमरे का लाइव फीड 4जी इंटरनेट के माध्यम से शिक्षण संस्था द्वारा देखा जाएगा और उसकी रिकॉर्डिंग की जाएगी।
- » शिक्षण संस्थान को सीसीटीवी कवरेज की कम से कम 3 माह की रिकॉर्डिंग रखनी होगी।

तल्ख होने लगे दिन @ आमेर महल

जयपुर @ जागरूक जनता। राजधानी जयपुर में गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाना शुरू कर दिया है। सुबह से ही तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। आमेर महल में तेज गर्मी के चलते सैलानियों की जगह विरानगी नजर आ रही है।

आरटीई में आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, स्कूल शिक्षा परिषद् अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत राज्य के गैर सरकारी विद्यालयों में प्री-प्राइमरी (पीपी-3) एवं कक्षा-1 में 25 प्रतिशत सीट्स पर प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि अब 10 मई निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि अब आरटीई की ऑनलाइन लॉटरी 13 मई को निकाली जाएगी।

पूर्व में आरटीई में आवेदन की आयु गणना की आधार तिथि 31 जुलाई, 2024 की गई थी, जबकि गत सत्र में आयु निर्धारण की तिथि 31 मार्च, 2023 थी, जिसके परिणामस्वरूप 1 अप्रैल से 31 जुलाई के मध्य जन्म लेने वाले बालक-बालिकाएं आवेदन से वंचित हो रहे थे। अब राज्य सरकार ने आयु गणना की आधार तिथि में संशोधन कर 1 अप्रैल, 2024 तय की है।

गाय बनेगी राष्ट्रीय पशु! जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती करेंगे अभियान की शुरूआत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती राजस्थानी परिक्रमा से अपने गोमाता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिलाने के अभियान की शुरुआत करेंगे। वे राजधानी में विभिन्न धार्मिक आयोजनों में पहुंचकर शहरवासियों को आशीर्वचन देंगे। दरअसल, पिछले कई सालों से देश में बाघ की जगह गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग उठ रही है। ऐसे में अब जगद्गुरु शंकराचार्य गौमाता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर राजस्थान से अभियान शुरू करने जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक शंकराचार्य 12 मई को भगवान बद्रीनाथ के कपाट खुलने के बाद सीधे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे और जयपुर में ही रात्रि विश्राम करेंगे। 13 मई को जेएलएन मार्ग स्थित महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में श्रीमद्भागवत-गीता पर प्रवचन देंगे। अगले दिन जयपुर में तीन किलोमीटर तक प्रभात फेरी निकालकर गोमाता को राष्ट्रीय पशु का दर्जा दिलाने के अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके बाद अन्य जिलों के लिए प्रस्थान करेंगे।

अलवर, भरतपुर और हिंडौनसिटी भी जाएंगे शंकराचार्य

14 मई को दोपहर में अलवर, 15 मई को भरतपुर और 16 मई को हिंडौन में कार्यक्र म के बाद स्वामी 17 मई को वाराणसी के लिए प्रस्थान करेंगे। शंकराचार्य जिन शहरों में धर्मसभा करेंगे, वहां सुबह 7:30 बजे से प्रभात फेरी रूप में गो-प्रतिष्ठा संकल्प यात्रा तहत गो-माता को राष्ट्रमाता घोषित कराने सनातनियों को जगाएंगे व गौ सेवा के प्रेरित करेंगे।

जयपुर एयरपोर्ट पर होगा भव्य स्वागत

तेजप्रकाश जोशी ने बताया कि शंकराचार्य का जयपुर एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया जाएगा। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया जाएगा। फिर सीधे आत्माराम भवन के लिए प्रस्थान करेंगे। शंकराचार्य का पादुका पूजन सम्पन्न होगा।

प्रभात फेरी के रूप में निकालेंगे गौ-प्रतिष्ठा संकल्प यात्रा

14 मई को प्रातः 07:30 बजे महेश नगर 80 फीट रोड स्थित आत्माराम भवन से तीन किलोमीटर प्रभात फेरी के रूप में गो-माता प्रतिष्ठा संकल्प यात्रा निकालेंगे, जिसमें शहर के हजारों भक्तों के सहित गो सेवा दल व हिन्दू सनातनी प्रभात फेरी में भाग लेंगे। प्रभात फेरी के दौरान रास्ते में राम मंदिर, कृष्ण मंदिर पर शंकराचार्य जी द्वारा दर्शन पूजन किया जाएगा।

ANCHOR प्रतिनिधि मंडल का विजिट

अमेरिकी संस्थान ने सराही गौतम हॉस्पिटल की कार्य रूपरेखा

अमेरिकन ग्रुप ने जताई भविष्य में साथ काम करने इच्छा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। अमेरिका की संस्था NAADAC जो कि नशा मुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे, चिकित्सा कर्मियो की एक संस्था है। NAADAC का 20 सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध, ज्ञान एवं तकनीक के विषय पर आपसी चर्चा एवं सहयोग/ सहकार्य के लिए सिविल लाइंस स्थित गौतम हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर में चर्चा हेतु आए। अमेरिकन प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षा एंजिला ई मेक्सवेल एवं नाडा की निदेशक सिंथेनिया मोरेनो एवं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का अस्पताल की सीईओ राज्यश्री जी ने स्वागत किया।

डॉ. शिव गौतम ने पिछले 13 वर्षों में अस्पताल द्वारा किए गए चिकित्सा मानसिक स्वास्थ्य के विषय में जन जागरण के क्षेत्र में किए गए नवाचारो एवं प्रकल्पो बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य चिकित्सक गौतम हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर से संबद्ध एमिटी यूनिवर्सिटी, ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी, एवं IIS यूनिवर्सिटी के प्राध्यापकों एवं डॉ रमेश अरोड़ा, डॉ प्रद्युमन शर्मा ,डॉ. N K लोहिया, डॉ. सचिन शर्मा एवं अस्पताल के चिकित्सकों ने चर्चा में भाग लिया नाडा की अध्यक्षा एंजेला एवं डायरेक्टर सिंथिया मौरेन दोनों ने व अन्य प्रतिभागियों ने इस बात की आवश्यकता जताई कि बहुत सारे प्रयोग जो भारत में किए जा रहे हैं उनका अमेरिका में भी उपयोग किया जाना चाहिए और विशेष तौर से अमेरिका में जो प्रयोग हो रहे हैं जैसे कि पीयर ग्रुप ट्रेनिंग प्रोग्राम स्टूडेंट के ट्रेनिंग के प्रोग्राम से उसी तरह के प्रोग्राम भारत में लंबा अनुभव देखते हुए और बड़ी जनसंख्या देखते हुए इन कार्यक्रमों को लागू किया जाए तो मानव संसाधन की कमी जो की मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में है उसको पूरा किया जा सकता है। अमेरिका और भारतीय दोनों ही तरफ के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विचार रखें। गौतम हॉस्पिटल में किए जा रहे हैं कार्य के अनुभवों को अमेरिकन ग्रुप ने बहुत सराहा और उन्होंने अस्पताल में चिकित्सा कर्मियों के साथ आने वाले समय में सहयोग और साथ काम करने की इच्छा जताई। डॉक्टर मेधावी गौतम ने अपने पोषण के विषय में ड्रग एडिक्ट्स के साथ अनुभव साझा किया तथा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ महिमा गौतम ने किया

उप मुख्यमंत्री ने किया जीआईटीबी का दौरा

जीआईटीबी से बढ़ेगा प्रदेश का पर्यटन-दीया कुमारी

इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ते पर्यटन के अनुरूप होना चाहिए

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने नोवोटेल कन्वेंशन सेंटर में ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के 13वें संस्करण का दौरा किया। इस दौरान, उन्होंने एग्जीबिशन का अवलोकन किया और इनबाउंड टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन व्यवसायियों के बीच चल रही बी2बी मीटिंग्स का अपडेट प्राप्त किया। उन्होंने इस मेगा इनबाउंड टूरिज्म मार्ट में निरंतर वृद्धि की सराहना करते हुए नए वित्तीय वर्ष के पहले प्रमुख पर्यटन कार्यक्रम के रूप में इसके महत्व पर प्रकाश डाला, जो पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए तैयार है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुरूप बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता को रेखांकित किया और पर्यटन को मजबूत करने के लिए सरकार की भागीदारी और पर्यटन व्यवसायियों से सहयोग का आग्रह किया। इस अवसर पर पर्यटन विभाग, प्रमुख शासन सचिव, गायत्री राठौड़, पर्यटन विभाग, निदेशक, रश्मि शर्मा; फिक्की टूरिज्म एंड कल्चरल कमेटी, चेयरमैन, दीपक देवा; फिक्की की पूर्व प्रेसिडेंट और ललित सूरी हॉस्पिटेलिटी ग्रुप की सीएमडी, डॉ. ज्योत्सना सूरी और एफएचटीआर व एचआरएआर, अध्यक्ष, कुलदीप सिंह चंदेला उपस्थित रहे। गौरतलब है कि इस अंतर्राष्ट्रीय मार्ट का आयोजन पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर), इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए.) और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स का भी सहयोग प्राप्त है। मार्ट के दो दिनों में लगभग 10,000 पूर्व-निर्धारित, संरचित बी2बी बैठकें होंगी। इस आयोजन में 52 देशों के 242 विदेशी टूर ऑपरेटर्स और 10 राज्यों के स्टेट टूरिज्म बोर्ड के प्रतिनिधि भी भाग ले रहे हैं।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को पेयजल वितरण के दौरान स्वयं घर-घर जाकर जांच करने के निर्देश दिए

प्रदेश में जलापूर्ति के पुख्ता इंतजाम करें-पंत

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने शासन सचिवालय में सभी संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टर को संबोधित करते हुए ग्रीष्म ऋतु के दौरान सुचारू पेयजल वितरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने जल संसाधनों की कमी के चलते राज्य में जल संरक्षण के प्रयास हेतु भी प्रोत्साहित किया।

पीएचईडी को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि जहां पानी की अधिक समस्या है वहां प्राथमिकता के साथ जलापूर्ति के विशेष प्रयास किए जाएं। आगामी दिनों में भीषण गर्मी एवं लू चलने की संभावनाओं के चलते समस्त सामुदायिक सुविधाओं पर भी जलापूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ विद्युत व्यवस्था एवं स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाओं को भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

साथ ही उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियां जैसे डेंगू, मलेरिया आदि जन जागरूकता के माध्यम से नियंत्रित रहें, इसके लिए आमजन को जागरूक करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जल्द से जल्द ई-ऑफिस के जरिए पत्रावलियों के निस्तारण समय में सुधार लाने के नियमित प्रयास करें। मुख्य सचिव ने सभी संभागीय आयुक्त एवं जिला कलेक्टर को नियमित रूप से क्षेत्रीय भ्रमण एवं निरीक्षण पर जाने के निर्देश दिए। उन्होंने क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान ग्रामीण स्तर पर रात्रि विश्राम किए जाने पर भी जोर दिया।

इस बैठक में सहकारिता विभाग एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा राज्य में गेहूं, सरसों एवं चने की सरकारी खरीद की समीक्षा प्रस्तुत की। मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को अधिकाधिक सरकारी खरीद सुनिश्चित करने के प्रयास हेतु निर्देशित किया। मुख्य सचिव ने इस बैठक के जरिए सभी अधिकारियों को वृक्षारोपण में अधिकाधिक योगदान करने तथा व्यक्तिगत स्तर से सार्वजनिक हित के एक-एक कार्य का चयन कर उनका अपने-अपने क्षेत्रों में समुचित क्रियान्वयन करने हेतु भी प्रोत्साहित किया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव प्रशासनिक सुधार विभाग भवानी सिंह देथा, प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग दिनेश कुमार, जल स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सचिव समित शर्मा, सूचना एवं तकनीकी संचार विभाग की सचिव आरती डोगरा, अध्यक्ष डिस्कॉम्स श्री भानू प्रकाश एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी प्रकरण में बड़ा एक्शन

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. बगरहट्टा एवं एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा पद से विमुक्त

» जागरूक जनता @ जयपुर। राज्य सरकार ने अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी जारी होने के प्रकरण में बड़ा एक्शन लिया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने डॉ. राजीव बगरहट्टा को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक के पद से तथा डॉ. अचल शर्मा को एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक पद से तत्काल प्रभाव से विमुक्त कर दिया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. बगरहट्टा एवं एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. शर्मा को अपने पद से विमुक्त कर दिया गया है। साथ ही, राज्य सरकार ने कार्डियोलॉजी विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी को एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक तथा वरिष्ठ आचार्य, निश्चेतन डॉ. सुशील भाटी को एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक के पद का अग्रिम आदेशों तक कार्यभार सौंपा है।

प्रभावी जांच के लिए एसीपी क्राइम समुचित प्राधिकारी नियुक्त

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर मानव अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण अधिनियम 1994 के तहत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध को समुचित प्राधिकारी नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि अधिनियम के तहत एक से अधिक समुचित प्राधिकारी नियुक्त किए जाने का प्रावधान है। डॉ. रश्मि गुप्ता पहले से ही समुचित प्राधिकारी के रूप में दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि मानव अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी का प्रकरण सामने आने के बाद प्रभावी जांच की दृष्टि से राज्य सरकार ने विधिक राय उपरांत मानव अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण अधिनियम 1994 के प्रावधानों के तहत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, अपराध को समुचित प्राधिकारी नियुक्त किया है। एसीपी क्राइम के समुचित प्राधिकारी नियुक्त होने से इस प्रकरण में आपराधिक दृष्टि से जुड़े पक्षों पर भी गहन जांच–पड़ताल कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई संभव हो सकेगी।

सिविल सेवा पास करने वाले राजस्थान के युवाओं से मिले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

आने वाला समय युवाओं का-भजनलाल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा-2023 में राजस्थान से चयनित युवाओं ने मुलाकात की। सीएम ने युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने युवाओं को साफा पहनाकर, शॉल ओढाकर स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गौरव का विषय है कि देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में राजस्थान में इतनी बड़ी संख्या में युवा चयनित हुए हैं। आपके माता-पिता के आशीर्वाद तथा कड़ी मेहनत लगन से यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की है। वर्तमान में हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस सपने को साकार होता देख रहे हैं। युवाओं के योगदान से दुनिया में भारत का दबदबा बढ़ा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सिविल सेवा परीक्षा से चयनित युवा देश के कर्णधार तथा प्रहरी हैं। ऐसे में उन्हें समाज को सही दिशा देते हुए देश एवं प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम करना है। अभाव में आए प्रत्येक व्यक्ति की बात संवेदनशीलता से सुनकर उनके काम को पूरा करना है। उन्होंने चयनित युवाओं से कहा कि किसी भी जगह नियुक्ति हो वे पूरी ऊर्जा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से काम करें। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री के साथ चयनित युवाओं का सामुहिक फोटो सेशन हुआ। इस मौके पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू सहित सीएमओ के वरिष्ठ अधिकारी एवं यूपीएससी - 2023 में राजस्थान से चयनित युवा मौजूद थे।

श्रेष्ठ विचारों से निभाए महत्वपूर्ण भूमिका

सीएम ने कहा कि आने वाला समय युवाओं का है। आपको अपने श्रेष्ठ विचारों अनुभवों से मोदी के 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के विजन को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने युवाओं से कहा कि जिन युवाओं का उम्मीद अनुसार परिणाम नहीं आया है, उन्हें निराश ना होकर पूरे समर्पण भाव से पुनः कोशिश करनी चाहिए। कार्यक्रम में चयनित युवाओं ने शिक्षा प्रणाली में सुधार, महिला सशक्तीकरण, राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना, स्वच्छता सर्वेक्षण में राज्य की स्थिति सुधारने सहित विभिन्न विषयों पर अपने विचार भी साझा किए।

राधे रानी महिला समिति ने बांधे परिंडे

जयपुर @ जागरूक जनता। भैरव पार्क (आर पी ए रोड) में राधे रानी महिला सेवा समिति एवं वार्ड 24 के पदाधिकारियों की ओर से पंछी परिंडा अभियान के तहत परिंडे बांधे गए। कार्यक्रम में वार्ड अध्यक्ष मनोज शर्मा, हरिओम चौहान, युवा मोर्चा अध्यक्ष सतीश जागा, चंकी पांडे, प्रभु, रामेश्वर, गंगा सहाय, पार्षद रुप कंवर, पार्षद सुमन राजवंशी, महिला मोर्चा अध्यक्ष हर्षा सागर, नीलम, राधे रानी टीम सुमन, नेहा, प्रभा, उषा, जया, राधा, मंजू, रूचि, चांदनी, कविता, वीणा के अलावा स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

दक्षिणमुखी गौशाला हाथोज धाम पर गौ पूजन व गौ सेवा आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। विप्र फाउंडेशन राजस्थान जोन 1 द्वारा परशुराम जन्मोत्सव समारोह संपूर्ण सप्ताह गौ पूजन और गौ सेवा के तहत श्री दक्षिणमुखी गौशाला हाथोज धाम पर गौ पूजन व गौ सेवा की गई। गौवंश को हरा चारा व गुड खिलाया गया। गौ सेवा में विप्र फ़ाउंडेशन प्रदेश अध्यक्ष राजेश कर्नल, महिला अध्यक्ष भारती शर्मा, कोषाध्यक्ष नरेंद्र, हर्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष प्यारेलाल शर्मा, प्रदेश संगठन सचिव पुष्पेंद्र शर्मा, प्रदेश सचिव अरुण शर्मा, महिला महामंत्री शिल्पा शर्मा, मीनू शर्मा, विप्र युवा महामंत्री सुशील पीर नगर, युवा उपाध्यक्ष रोशन शर्मा उपस्थित रहे।

जरूरतमंद, विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को राशन वितरण में सहयोग देने वाले

भामाशाहों का सम्मान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पूज्य सिंधी पंचायत, ओम सांई सेवा समिति मुरलीपुरा में प्रति माह की 5 तारीख को निराश्रित विधवा, परित्यक्ता एवं जरूरतमंद महिलाओं को खाद्य सामग्री सहित जरूरत का सामान वितरित किया जाता है। सामग्री में आटा, चावल, दाल, बेसन, साबुन, आलू, पापड़, तेल एवं हर बार कुछ अलग भी सामान होता है। ये कार्यक्रम समिति स्वयं व भामाशाहों के सहयोग से संचालित करती है। समय-समय पर समिति द्वारा भामाशाहों को सम्मानित भी करती रहती है। इसी कड़ी में इस बार भामाशाह डॉ. सुनील गुप्ता एवं तरुणा गुप्ता (नेत्र विशेषज्ञ), वरिष्ठ पत्रकार शिवदयाल मिश्रा व व्यवसायी भामाशाह राजेश

अग्रवाल एवं कविता गंगवानी को दुपट्टा पहनाया और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष लोकचंद हरिरामानी, वरिष्ठ समाजसेवी भामाशाह नगेन्द्र वशिष्ठ, छबलदास नवलानी, डॉ. मुकुल शर्मा, मोहन नामदेव सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

बदलती दुनिया में कहां खड़ा है भारत

एस.जयशंकर
विदेश मंत्री
@jagrukjanta.net

आज दुनिया में काफी उथल-पुथल मची है। कई देश कोविड महामारी से हुए सामाजिक-आर्थिक नुकसान से उबरने में लगे हैं। बीते तीन वर्षों से यूक्रेन में चल रहे संघर्ष से ऊर्जा, खाद्य और खाद्य सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ा है। अक्टूबर 2023 में इस्राइल पर हुए आतंकी हमले से पश्चिम एशिया में शुरू हुई लड़ाई गंभीर और व्यापक रूप ले सकती है। लाल सागर में ड्रोन और मिसाइल हमले वैश्विक शिपिंग को अस्त-व्यस्त कर रहे हैं। यहां तक कि अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती की नई लहर और खतरनाक हो गई है। एशिया में क्षेत्रीय दावे और कानूनों और समझौतों की अवहेलना ने नए तनाव पैदा कर दिए हैं। आतंकवाद की पुरानी चुनौतियां भले ही बढ़ती-घटती रही हों, लेकिन आज भी बरकरार हैं।

भारत के लिए ज्यादा अनिश्चितताएं चीन के साथ एलएसी पर दबाव, सीमा पार से आतंकवाद के खतरे और म्यांमार की सीमा पर अस्थिरता से बढ़ी हैं। हालांकि इनमें से प्रत्येक को उचित प्रतिक्रिया दी गई है। लेकिन कुल मिलाकर ये स्थितियां आने वाले दिनों में एक मजबूत, समझदार और सक्षम नेतृत्व की जरूरत को स्पष्ट करती हैं।

कोविड युग ने अति-केंद्रीकरण के खतरों को प्रदर्शित किया है, चाहे वो manufacturing sector हो या technology। महत्वपूर्ण और उभरती टेक्नॉलजी का दायरा इसे और गंभीर बना देता है। ऐसे में अच्छा यही होगा कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था भी जोखिम से मुक्त हो। ऐसा केवल विभिन्न क्षेत्रों में 'मेक इंडिया' को गति देने व लचीली और विश्वसनीय सप्लाई चेन से जुड़कर ही किया जा सकता है।

डिजिटल क्षेत्र में, भारत को एक विश्वसनीय और पारदर्शी देश के रूप में अपने रेकॉर्ड को और आगे ले जाना है। इसका मतलब हमें सेमीकंडक्टर क्षमताओं को बढ़ाना और सही डेटा पॉलिसी को अपनाना होगा। खुद को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ड्रोन, अंतरिक्ष और ग्रीन टेक्नॉलजी के युग के लिए भी तैयार करना होगा। साथ ही, देश की स्वास्थ्य, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना होगा। इसके लिए दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है, जो टेक्नॉलजी की परिवर्तनकारी क्षमता को समझता हो और मजबूत विकास के लिए प्रतिबद्ध हो। जाहिर तौर पर सुधार से पहले के युग की विफल नीतियों की ओर वापसी को स्पष्ट रूप से किसी भी कीमत पर टाला जाना चाहिए।

आज भारत अपने उम्दा बुनियादी ढांचे, बेहतर कारोबारी माहौल और अपेक्षित प्रतिभा की बदौलत आकर्षक निवेश गंतव्य है। लेकिन इसकी वजह हमारी राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत पूर्वानुमान है। पिछले दशक में जमीनी स्तर पर सुधार और डिलिवरी ही विदेशों में हमारी विश्वसनीयता के स्रोत रहे हैं। कई

डिजिटल क्षेत्र में, भारत को एक विश्वसनीय और पारदर्शी देश के रूप में अपने रेकॉर्ड को और आगे ले जाना है। इसका मतलब हमें सेमीकंडक्टर क्षमताओं को बढ़ाना और सही डेटा पॉलिसी को अपनाना होगा। खुद को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ड्रोन, अंतरिक्ष और ग्रीन टेक्नॉलजी के युग के लिए भी तैयार करना होगा। साथ ही, देश की स्वास्थ्य, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना होगा। इसके लिए दूरदर्शी नेतृत्व की जरूरत है, जो टेक्नॉलजी की परिवर्तनकारी क्षमता को समझता हो और मजबूत विकास के लिए प्रतिबद्ध हो।

मायनों में वैश्वीकरण ने एक अंतरराष्ट्रीय वर्कप्लेस भी बनाया है, जिसका उपयोग भारत अपनी बेहतरी के लिए कर सकता है। इसके लिए हमारे कौशल बेस को बढ़ाना, मोबिलिटी समझौते करना और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा अहम तत्व हैं। स्टार्ट-अप्स में हमारी गहरी रुचि रही है, जो बीते दशक में नीतिगत प्रोत्साहनों की वजह से तेजी से बढ़े हैं।

यह स्वाभाविक है कि दुनिया भारतीय लोकसभा चुनाव में गहरी दिलचस्पी ले। आखिरकार यह मानव इतिहास की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। यह चुनाव बाकी देशों के लिए एक बढ़ते प्रभाव वाले देश में आयोजित हो रहा है। इसके अलावा, हमारी चुनावी मशीनरी की क्वॉलिटी अन्य देशों के लिए उदाहरण है। महत्वपूर्ण है कि चुनाव में दिलचस्पी और हस्तक्षेप के बीच की रेखा को समझा जाए और उसका सम्मान किया जाए। ऐसे भी लोग होंगे जिनका वैचारिक वजहों से कुछ दलों में निहित स्वार्थ होगा। लेकिन जब अधिक जिम्मेदार लोग चुनिंदा मुद्दों पर टिप्पणी करते हैं, तो वे स्वयं के निहितार्थों को भी ध्यान में रखते हुए ऐसा कर सकते हैं। यह जीवन की सचाई है कि कई अन्य गतिविधियों की तरह ही राजनीति का भी वैश्वीकरण हो गया है। लेकिन, व्यवस्था की आलोचना करने वाले अपने घरेलू चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने के लिए अगर बाहरी ताकतों को आमंत्रित करते हैं तो इससे हमें कोई लाभ नहीं होगा।

यह अमृत काल का पहला आम चुनाव है और युवाओं को इसके महत्व को पहचानना होगा। पिछले दशक ने हमें विकसित भारत के लिए गंभीरता से उम्मीद करने को एक आधार दिया है। हमारे विकास की नई गति को इसकी समावेशी प्रकृति और प्रौद्योगिकी की छलांग लगाने वाली क्षमता से बल मिला है। पहले के विपरीत, सुधार और आधुनिकीकरण को संकीर्ण रूप से परिभाषित नहीं किया गया है, लेकिन इसमें डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। मानव संसाधनों का पोषण, entrepreneurship को बढ़ावा देना और जीवनयापन की आसानी को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

औपचारिक और अनौपचारिक, अर्थव्यवस्था के दोनों ही क्षेत्रों में अवसर बढ़ रहे हैं। यहां तक कि नए फोकस क्षेत्र और वैल्यू एडिशन भी सामने आ रहे हैं। दुनिया ध्यान दे रही है कि हमारी डिजिटल रूप से सक्षम डिलिवरी ने बड़े पैमाने पर सोशल वेलफेयर सिस्टम (सामाजिक कल्याण प्रणाली) बनाया है, जिसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। चाहे कोवैक्सीन हो या कोविन, 5G स्टैक या UPI, चंद्रयान या गगनयान मिशन, हम तेजी से वैश्विक मानकों से मेल बना रहे हैं। जैसे-जैसे भारत अपने निकट और दीर्घकालिक, दोनों भविष्यों के बारे में निर्णय लेने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह जरूरी है कि हम सभी इसे पूरी तरह से समझें कि दांव पर क्या लगा है। भारत न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है बल्कि यह पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी है, जिसके जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है। दुनिया चुनौतियां और अवसर दोनों प्रदान करती है और उन्हें व्यापक रूप से संबोधित करने के लिए प्रधानमंत्री के दृढ़ आत्मविश्वास और अनुभवी नेतृत्व की आवश्यकता है। जैसे ही हम अपनी राजनीतिक पसंद व्यक्त करते हैं, हम वैश्विक व्यवस्था की दिशा भी तय कर रहे होते हैं। दुनिया इंतजार कर रही है और उम्मीद कर रही है कि फैसला स्पष्ट और निर्णायक होगा। साभार

(लेखक भारत सरकार में विदेश मंत्री हैं)

सम्पादकीय

परंपरा का प्रश्न

कांग्रेस ने रायबरेली और अमेठी सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, जिससे गांधी परिवार की प्रतिष्ठा संभलने की उम्मीदें हैं। राहुल गांधी को रायबरेली सीट से प्रत्याशी बनाकर कांग्रेस ने उत्तर भारत में मतदाताओं को प्रभावित करने का आक्रामक रुख दिखाया है।

लंबी कशमकश के बाद आखिरकार कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी। पिछले कुछ दिनों से इन सीटों के संभावित उम्मीदवारों को लेकर जैसी गहन चर्चा चल रही थी, उससे साफ है कि यह सिर्फ दो सीटों का मामला नहीं रह गया था।

ये दोनों सीटें न सिर्फ लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ रही हैं बल्कि गांधी परिवार का पसंदीदा अखाड़ा मानी जाती रही हैं। हालांकि, अतीत में एकाधिक मौकों पर इन सीटों की नुमाइंदगी गांधी परिवार से बाहर के व्यक्ति के हाथों में भी गई है, लेकिन इन सीटों को गांधी परिवार के चुनाव क्षेत्र के ही रूप में देखा जाता रहा है। ऐसे में 2019 लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी की हार और इस बार सोनिया गांधी के लोकसभा चुनाव से बाहर रहने की वजह से कांग्रेस में इन दोनों सीटों पर शून्य बन गया था, जिसे भरे जाने की जरूरत शिद्दत से महसूस की जा रही थी।

इसमें दो राय नहीं कि रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल शर्मा को प्रत्याशी बनाने का फैसला करने में कांग्रेस ने काफी देर लगाई। इस देरी को लेकर तरह-तरह की कयासबाजी होती रही। लेकिन राजनीति में विलंब का भी अपना शास्त्र होता है। यह दावे से नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस नेतृत्व या गांधी परिवार के फैसले में हुई देर के पीछे अनिश्चय या असमंजस की ही भूमिका थी। इसकी कई और व्याख्याएं की जा सकती हैं।

सोनिया गांधी के राज्यसभा का रुख करने के बाद राहुल गांधी के रायबरेली सीट को चुनने और प्रियंका के चुनाव में खड़ा न होने के फैसले पर भी कई तरह से टीका-टिप्पणी की जा सकती है। भाजपा के कुछ नेता इसे राहुल का अमेठी से भागना बताने भी लगे हैं। हालांकि प्रत्याशी कोई भी हो, ये दोनों सीटें गांधी परिवार की प्रतिष्ठा से जुड़ी हैं। इन सीटों पर जीत-हार को गांधी परिवार की जीत-हार के ही रूप में देखा जाएगा।

बहरहाल, राहुल को रायबरेली सीट से प्रत्याशी बनाकर कांग्रेस ने संकेत दिया है कि साउथ के राज्यों से विशेष उम्मीदें रखते हुए भी उसने नॉर्थ और खासकर यूपी में अपनी दिलचस्पी कम नहीं होने दी है। भले राज्य में कांग्रेस का संगठनात्मक आधार हाल के वर्षों में काफी कमजोर हो गया हो, यह राजनीतिक संदेश काफी मायने रखता है। अभी जब पांच चरणों की वोटिंग बाकी है, तो कांग्रेस नेतृत्व और गांधी परिवार का यह कथित आक्रामक रुख उत्तर भारत में मतदाताओं के मन को प्रभावित कर पाता है या नहीं और करता है तो किस सीमा तक, यह देखना अब दिलचस्प होगा।

लेकिन तवायफों के जीवन से जुड़ी कहानियों का बनावटीपन चुपके से सामने आ ही जाता है। मुजरों में लुटाई गई दौलत, तवायफों का मेकअप, उनका ग्लैमर और शान और शौकत से भरपूर रहन-सहन देखकर यही सवाल मन में उठता है कि ऐसी अमीरी के बावजूद उन्हें अपने जीवन से शिकायतें क्यों हैं।

संजय लीला भंसाली का एक और नगीना- 'हीरामंडी'

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

वेब सीरीज 'हीरामंडी-द डायमंड बाजार' निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली का वह ख्वाब है जिसे उन्होंने 14 साल पहले बुनना शुरू किया और जो अब जाकर पूरा हुआ है। कोई चार साल से इसकी मेकिंग पर काम चल रहा था। ज्यादा से ज्यादा ऑडियंस तक पहुंचने के लिए इस सीरीज में सिनेमैटिक फ्लेवर बरकरार रखा गया है।

आइंटरनेशनल प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर वेबसीरीज 'हीरामंडी-द डायमंड बाजार' के साथ मशहूर फिल्मकार संजय लीला भंसाली भी अब ओटीटी की दुनिया में उतर आए हैं। संजय लीला भंसाली ने हिंदी सिनेमा को 'हम दिल दे चुके सनम', 'ब्लैक', 'देवदास', 'गुजारिश', 'गोलियों की रासलीला रामलीला', 'बाजीराव मस्तानी' और 'पद्मावत' जैसे नगीने दिए हैं। मुझे उनकी सभी फिल्में बहुत पसंद हैं और इन सभी फिल्मों को मैंने दो-तीन बार तो देखा ही है। सिनेमा के विद्यार्थियों के लिए तो भंसाली की हर फिल्म एक महाकाव्य की तरह है, जिससे वे बहुत कुछ सीख सकते हैं। लेकिन फिलहाल बात करते हैं 'हीरामंडी' की।

'हीरामंडी' के कुल आठ एपिसोड हैं, करीब एक-एक घंटे के चार और 45-45 मिनट के चार और एपिसोड। संजय लीला भंसाली की फिल्मों को सिनेमाघरों में तो दर्शक पूरे दिल से अपनाते हैं और उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर शानदार बिजनेस भी करती हैं, लेकिन फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ओटीटी पर भी संजय लीला भंसाली एक शानदार पारी खेलने में कामयाब रहेंगे? तो जवाब में हम इतना ही कहेंगे कि 'हीरामंडी' के एपिसोड हमने बैक टू बैक देख डाले! एक बार जब आप इसे देखना शुरू करते हैं, तो इसके सामने से उठ जाना वाकई बेहद मुश्किल हो जाता है।

एक बहुत असरदार कहानी और कहानी के अंदर अनेक कहानियां, शानदार विजुअल्स, बेहद दमदार डायलॉग, गीतों-मुजरों का भव्य फिल्मांकन और कलाकारों की खूबसूरत अदाकारी- अर्थात 'हीरामंडी' में वो सब कुछ है, जिसकी उम्मीद आप संजय भंसाली से करते हैं। बल्कि कुछ मोर्चों पर तो यह सीरीज उम्मीद से भी आगे निकल जाती है। भंसाली ने इस बात का पूरा ख्याल रखा है कि उनकी कहानी ज्यादा से ज्यादा ऑडियंस तक पहुंचे और इसीलिए उन्होंने सीरीज में अपना सिनेमैटिक फ्लेवर बरकरार रखा है। इस सीरीज में मनीषा कोइराला, अदिति राव हैदरी, सोनाक्षी सिन्हा, संजीदा शेख, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा, ताहा शाह, जैसन शाह, फरदीन खान, अध्ययन सुमन और शेखर सुमन जैसे कलाकार हैं।

सभी कलाकारों ने अपने किरदार को पूरी तरह डूबकर निभाया है। लेकिन सबसे ज्यादा पसंद किया जाएगा उस्ताद का किरदार। यह कैरेक्टर दर्शकों को बरसों बरस याद रह जाएगा। इसे निभाने वाले कलाकार इंद्रेश मलिक की अदाकारी देखने लायक है। किसी ट्रांसजेंडर का इस तरह का पावरफुल किरदार इससे पहले किसी वेब सीरीज में नजर नहीं आया। ए एम तुराज के लिखे गीत और संजय लीला भंसाली का संगीत इस सीरीज की आत्मा है। और गीतों को ऑफबीट कैमरा एंगल के जरिये बेहद खूबसूरती के साथ पिक्चराइज किया गया है। 'हीरामंडी' की कहानी की रफ्तार तेज है। इसके साथ कदमताल करने के लिए आपको अपना दिमाग भी औसत से थोड़ा ज्यादा तेज दौड़ाना पड़ेगा। किसने किसको मारकर किस विरासत पर कब्जा किया? कौन किसकी बेटी और कौन किसकी खाला क्यों और कैसे है? ये समझने में थोडी दिमागी कसरत लगेगी। भारतीय घरों की महिलाएं तो ऐसी कसरतें सास-बहू के धारावाहिकों में खूब करती रही हैं, सो उनको इसकी आदत है।

लगे हाथों आपको यह भी बता दें कि इस सीरीज में आलमजेब का किरदार निभाने वाली अदाकारा शर्मिन सहगल दरअसल संजय लीला भंसाली की भांजी है। हिंदी सिनेमा में रेखा को पहली बार लाने वाले निर्माता मोहन सहगल की पोती शर्मिन ने सिनेमा घुट्टी में पिया है और बतौर अभिनेत्री मिला ये उनका सबसे बड़ा मौका है। फिल्म एडीटर बेला सहगल और अप्लॉज एंटरटेनमेंट के कर्ताधर्ता दीपक सहगल की बेटी की ये पहली अंगड़ाई है।

वेब सीरीज 'हीरामंडी-द डायमंड बाजार' निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली का वह ख्वाब है जो उन्होंने 14 साल पहले मोईन बेग से इसका विचार पहली बार सुनने के बाद से ही बुनना शुरू किया और जो अब जाकर पूरा हुआ है। कोई चार साल से इसकी मेकिंग पर काम चल रहा था। उससे भी पहले से संजय इसका संगीत बुनते रहे हैं। सीरीज का संपादन भी खुद संजय लीला भंसाली ने किया है, तो समझ सकते हैं कि इसमें कुछ भी ऐसा देखने को आपको नहीं मिलेगा, जिसकी इस पूरी कहानी में कोई जरूरत न हो। कहानी आजादी से ठीक कुछ साल पहले की है। लाहौर इसका रंगमंच है। तवायफें इसकी सबसे अहम किरदार हैं।

यूं तो इस सीरीज में कलाकारों की पूरी एक बरात है। इस बरात की अगुआई करने वाली सभी छह अभिनेत्रियों ने अपने अपने किरदार दमदार तरीके से निभाए हैं, लेकिन इन सबमें चैंपियन बनकर निकली हैं अभिनेत्री मनीषा कोइराला। उन्होंने मल्लिकाजान को एक अलग ही आभामंडल के साथ जीया है। ईद पर अपनी बेटी से मिलने उसके प्रेमी के घर जा पहुंचने वाले दृश्य में उनका आना हो या फिर अपनी बड़ी बेटी के लिए आखिरी मुजरे का एलान, हर बार वह अपने रुआब को अपना आतंक बनाकर जीने में कामयाब रही हैं। लज्जो बनी ऋचा चड्ढा का किरदार हालांकि इन सबमें सबसे छोटा है लेकिन दो एपिसोड में ही वह अपना असर छोड़ जाती हैं। संजीदा शेख की आंखों में उनके सीने में लगातार सुलगती रहने वाली आग आंसू बनकर बार बार बहती दिखती है। सोनाक्षी सिन्हा को इस सीरीज में एक तरह से देखा जाए तो खलनायिका के तौर पर पेश किया गया है और अपना किरदार उन्होंने निभाया भी अच्छे से है। मेरे जैसे अनेक लोग अब तक सोनाक्षी को एक संजीदा अभिनेत्री नहीं मानते थे, लेकिन 'हीरामंडी' में उन्होंने अपने अभिनय से चौंका दिया है। ऐसे अनेक दृश्य हैं, जिनमें सोनाक्षी अपनी अदाकारी का जबरदस्त प्रभाव छोड़ती हैं।

सीरीज के हर फ्रेम में संजय लीला भंसाली की मेहनत साफ झलकती है। सेट्स को सजाने में भी उन्होंने कमाल की कारीगरी की है। लेकिन तवायफों के कोठों की भव्यता और चकाचौंध कहीं से गले नहीं उतरती। बेशुमार दौलत से लकदक तवायफों की ऐसी शानदार जिंदगी से किसी को भी जलन हो सकती है। मुजरों में लुटाई गई दौलत, तवायफों का मेकअप, उनका ग्लैमर और शान और शौकत से भरपूर रहन-सहन देखकर यही सवाल मन में उठता है कि ऐसी अमीरी के बावजूद उन्हें अपने जीवन से शिकायतें क्यों हैं। भव्यता पर इतना अधिक फोकस है कि कहानियों का बनावटीपन चुपके से सामने आ जाता है। जज्बात हमारे दिलों में नहीं उतरते, बल्कि हमें सिर्फ छूकर निकल जाते हैं। यह निर्देशक की सबसे बड़ी नाकामी है।

धार्मिक और सामाजिक मूल्यों का सम्मान करने की प्रेरणा देता है, अक्षय तृतीया

उत्सववादी त्योहार है आच्च्या तृतीया

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

आच्च्या तृतीया, जिसे 'अक्षय तृतीया' भी कहा जाता है, हिन्दू पर्वों में एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो हर साल वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। यह त्योहार हिन्दू धर्म में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है और यह शुभ और खुशियों का महोत्सव होता है। यह त्योहार विवाह, धर्मीय और सामाजिक कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।

आच्च्या तृतीया को लोग सोने, चांदी, स्थानीय और घरेलू आधारित वस्त्र, गहने, घर के सामान, वाहन, खिलौने और धार्मिक कृतियों के खरीदने के लिए शुभ मानते हैं। यह त्योहार अत्यधिक उत्साह और आनंद के साथ मनाया जाता है, और यह विशेष रूप से व्यापारिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

महत्व

आच्च्या तृतीया का महत्व विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न होता है। धार्मिक दृष्टि से, यह मान्यता है कि इस दिन किए गए दान और धार्मिक कर्मों का फल अत्यधिक होता है। धन की वृद्धि, समृद्धि, और खुशियों की प्राप्ति के लिए लोग इस त्योहार को धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं। इस दिन कई लोग

विवाह के लिए मुहूर्त चुनते हैं, धार्मिक पूजा और अर्चना करते हैं, और अनेक सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भाग लेते हैं। इस त्योहार के दौरान धार्मिक स्थलों पर भी भजन-कीर्तन और साधु-संतों के सत्संग होते हैं। समाज में, आच्च्या तृतीया को अच्छे समय की शुरुआत के रूप में भी माना जाता है। लोग इस दिन नए कामों की शुरुआत करते हैं, नए उद्योगों की स्थापना करते हैं और विभिन्न प्रकार के निवेश करते हैं। सार्वजनिक रूप से, यह त्योहार बाजारों में विशेष रूप से उत्साहिती और गौरव के साथ मनाया जाता है। लोग इस दिन बाजारों में भीड़ लगाते हैं और खरीदारी करते हैं। विभिन्न शॉप्स, अलंकारिक और गाड़ीदार वस्त्रों, गहनों, और घरेलू सामानों की खास बिक्री होती है। आच्च्या तृतीया एक उत्सववादी त्योहार है जो धन, समृद्धि, और खुशियों की प्राप्ति के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार हमें सामाजिक और धार्मिक मान्यताओं का पालन करने के साथ-साथ खुशियों और उत्साह के साथ जीने की प्रेरणा देता है।

हिन्दू समाज में महत्व

आच्च्या तृतीया का महत्व हिन्दू समाज में अत्यधिक माना जाता है। यह त्योहार धन, समृद्धि, और खुशियों की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है, और इसे वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। यह त्योहार धार्मिक, सामाजिक, और आर्थिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है। आच्च्या तृतीया का पालन करने से मान्यता है कि व्यक्ति को अच्छा भाग्य और समृद्धि मिलती है। इस दिन किए गए धार्मिक कर्मों और दानों का फल अत्यधिक होता है। लोग इस दिन पूजा, व्रत, और धार्मिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं और अपने आचरण में शुद्धता बनाए रखने का प्रयास करते हैं। आर्थिक दृष्टि से भी, यह त्योहार अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस दिन लोग नए कारोबार शुरू करते हैं, नए यात्राएँ आरंभ करते हैं, और निवेश करते हैं। यह एक अवसर होता है नए प्रोजेक्ट्स की शुरुआत के लिए और अधिक आर्थिक स्थिति की प्राप्ति के लिए। सामाजिक दृष्टि से भी, यह त्योहार समृद्धि और खुशियों का प्रतीक है। लोग इस दिन परिवार और मित्रों के साथ समय बिताते हैं, और एक-दूसरे को बधाई देते हैं। इस दिन लोग अपने घरों को सजाते हैं और सजीवता भरते हैं। समृद्धि, सुख, और खुशियों की प्राप्ति के लिए आच्च्या तृतीया अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस दिन के माध्यम से लोग अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं और नई शुरुआत करते हैं। इसके अलावा, यह त्योहार हमें धार्मिक और सामाजिक मूल्यों का सम्मान करने की प्रेरणा देता है।

भगवान् परशुराम का अवतरण दिवस

परशुराम जयंती, अन्य एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो पुराणों में उल्लेखित हिन्दू धर्म के एक प्रमुख अवतार, भगवान परशुराम के जन्म के दिन मनाया जाता है। परशुराम जी को धनुर्धारी, उग्र क्रोधी और भूमंडल पुरुष के रूप में जाना जाता है। उनके जीवन के कई कथाएं हैं, जो हमें धर्म, न्याय और धर्मयुद्ध के महत्व को सिखाती हैं। परशुराम जी को उनकी प्रतिभा, त्याग, और धर्म के प्रति समर्पण के लिए सम्मानित किया जाता है।

ये दोनों त्योहार हिन्दू समाज में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और लोग इन्हें धार्मिक उत्सव के रूप में उत्साह से मनाते हैं। इन अवसरों पर लोग मंदिरों में भगवान की पूजा-अर्चना करते हैं, सत्संग आयोजित करते हैं, धार्मिक कथाएं सुनते हैं और दान-दानावत करते हैं। इन त्योहारों के माध्यम से समाज में धर्म, संस्कृति और एकता के महत्व को समझाया जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार है)

गपबाजी

अपनापन बिखरा था, मौसम
में रागिनी थी मंदिर की घंटी सी
सुबहें, प्रार्थना सी शामें थीं
सियासत घुल गयी है, अब
हवाओं में हर कहीं ये चमकीली
तो हैं मगर, साँसों के काबिल
नहीं

****

मोड़ चाहे कोई भी हो, उसी
मंज़िल पहुँचाता है सोते जगते
उठते बैठते, गीत वही एक गाता
है

****

हर काम में खुदगर्जी, हर बोल
में लफ्फ़ाज़ी है धरम ईमान की
बातें, सुन लो सब गपबाजी है
चाल फरेबी की ना समझे तो ये
तेरी नाकामी है उसका क्या है
उसकी तो केवल खुद से यारी
है,

****

काम उसे जब होगा तुमसे, हर
दर पर वो आएगा काम
निकलते ही बस फिर, दर दर
वो भटकाएगा

****

सोच समझकर चुनो ओ यारों,
गद्दी ये मयावी है आज तुम्हारी
सोच पर निर्भर जीवन भावी है

निधि पंचोली, जयपुर

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

अपमान के भाव से बड़ी आत्मग्लानि होती है, जिसके मन में मान की गांठ है उसे हमेशा भय रहता है कि कहीं मेरा अपमान न हो जाए और मुझे कहीं से मान मिले मनुष्य को खुद के अपमान की जरा सी भी पसंद नहीं और लोगों का अपमान करने से शूरवीरता समझते हैं। जो अपमान को समझ से निगल लेता है वही शक्तिशाली बनता है। इच्छा प्रज्ज्वलित अग्नि है। जब तक इच्छा पूरी नहीं होती तब तक मनुष्य जलता ही रहता है। आपकी इच्छाएं पूरी तो होंगी पर उनका विचार करने या चिंता करने से कोई फायदा नहीं उलटे अड़चन आएंगी। बहुत विचार करने से इच्छाओं की पूर्ति नहीं होती। इच्छा संयोगों के दबाव से उत्पन्न होती है जैसे सर्दी बढ़ते ही रजाई ओढ़ने की इच्छा होती है। इच्छा तो परवशता है। इच्छाएं देह करता है। ज्ञान के बिना इच्छा जाती नहीं। इच्छा होना भीख कहलाता है। इच्छाओं का अंत नहीं। सभी प्रकार की इच्छाओं की याचकता मिट जाए तो आप स्वयं ही परमात्मा हैं। ईश्वर की अच्छा करने से बाकी की सभी इच्छाएं मिट जाती हैं। बाकी सब चीजें तो अपने आप ही आती हैं इच्छा भी नहीं करनी पड़ती। जिस इच्छा में किसी प्रकार का स्वार्थ नहीं, किसी से कुछ लेने की बिल्कुल इच्छा नहीं, वह शुद्ध इच्छा कहलाती है, वही इच्छा फलीभूत होती है। **क्रमशः**

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 08/05/2024

सूर्योदय : 05:47 **सूर्यास्त :** 18:59 **चन्द्रोदय :** 05:32 **चन्द्रास्त :** 19:30 **शक सम्वत :** 1946 क्रोधी **अमान्ता महीना :** चैत्र **पूर्णिमांत :** वैशाख **सूर्य राशि :** मेष **चन्द्र राशि :** मेष **पक्ष :** कृष्ण **तिथि :** अमावस्या, 08:53 तक **वार :** बुधवार **द्रिक ऋतु :** ग्रीष्म

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : भरणी, 13:35 तक
योग : सौभाग्य, 17:42 तक
प्रथम करण : नागा, 08:53 तक
द्वितिय करण : किमस्तोगना, 19:37 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:10 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:31 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:32 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:00 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:01 पी एम से
अमृत काल	09:09 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:56 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	01:33 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : सूर्य
चन्द्र वास : पूर्व में

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	: 05:46 - 07:25	उद्वेग	18:58 - 20:19
अमृत	: 07:25 - 09:04	शुभ	20:19 - 21:40
काल काल वेला	: 09:04 - 10:43	अमृत	21:40 - 23:01
शुभ	: 10:43 - 12:22	चर	23:01 - 00:22
रोग वार वेला	: 12:22 - 14:01	रोग	00:22 - 01:43
उद्वेग	: 14:01 - 15:40	काल	01:43 - 03:04
चर	: 15:40 - 17:19	लाभ	03:04 - 04:24
लाभ	: 17:19 - 18:58	उद्वेग	04:24 - 05:45

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज अमावस्या

आज कौन सा कार्य करें

अमावस्या को पितृ कार्य और शल्य क्रिया करके उनमे सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

वैशाख, कृष्ण, अमावस्या, 2081 बुधवार, 8 मई - 14 मई, 2024

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
वाणी पर नियंत्रण रखें। क्लेश से बचें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
दूर से अच?छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। क्लेश रहेगा, वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है। कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
विवाद को बढ़ावा न दें। हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
बुद्धि का प्रयोग किसी भी समस्या का निवारण कर सकता है, यह याद रखें। लाभ के अवसर आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

 # Soil Helth : अखिल भारतीय समन्वित सूक्ष्म पोषक तत्व योजना

हर वर्ष जमीन से मिलियन टन पोषक तत्व जमींदोज

अगले वर्ष तक 45 मिलियन टन पहुंचने का अनुमान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि योग्य भूमि की मिट्टी में पोषक तत्वों की लगातार कमी होती जा रही है। हालांकि, कृषि विभाग हर वर्ष पोषक तत्वों की कमी की समस्या के समाधान के लिए लगातार किसानों को खेतों पर खरपतवार नहीं जलाने और रासायनिक खाद के बजाय जैविक खाद का प्रयोग करने के लिए जागरूक कर रहा है। लेकिन, साल दर साल पोषक तत्वों का दोहन बढ़ता जा रहा है। हालात यह है कि फसलोत्पादन के वर्तमान स्तर पर मृदा से लगभग 36 मिलियन टन पोषक तत्वों (एन.पी.के.) का दोहन प्रतिवर्ष हो रहा है, जो 2025 में 45 मिलियन टन हो जायेगा। जबकि, रासायनिक उर्वरको से पोषक तत्वों की आपूर्ति 28 मिलियन टन प्रतिवर्ष है। इस प्रकार मृदा से प्रतिवर्ष 8-10 मिलियन टन पोषक तत्वों का ह्रास हो रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश में ऐसी कई मृदा प्रयोगशालाएं है, जहां पर ताले लटके हुए है। वहीं, जिन किसानों के मृदा स्वास्थ्य कार्ड बन चुके है, वह भी वैज्ञानिक सिफारिश के आधार पर उर्वरकों का उपयोग नहीं कर रहे है। इस कारण खाई बढ़ती जा रही है। देशभर में हुए मृदा जांच नमूनों के विश्लेषण से यह आंकड़ा निकल कर सामने आया है। मृदा परीक्षण से पता चला है कि खेतों में आवश्यक पोषक तत्व नाइट्रोजन और फास्फोरस की मात्रा का न्यूनतम स्तर है। मृदा परीक्षण की इस रिपोर्ट ने किसानों की परेशानी में डाल दिया हैं। इसके बाद किसानों को भविष्य की चिंता सताने लगी है। कृषि विभाग ने मृदा कार्ड बनाने के लिए खेतों की मिट्टी के नमूने लिए थे। मिट्टी परीक्षण के परिणामों से चौंकाने वाली जानकारी मिली है। मिट्टी के इन नमूनों में 60 प्रतिशत से अधिक में नाइट्रोजन की कमी पाई गई है। इन नमूनों में नाइट्रोजन एक प्रतिशत की बजाय 0.2 प्रतिशत मिला है, मिट्टी में यह अति न्यूनतम स्तर है। वहीं अधिकतर नमूनों में फास्फोरस, सल्फर और जैविक कार्बन की कमी पाई गई है।

36.5 लाख मिट्टी के नमूनों का परीक्षण

लगभग 36.5 लाख मिट्टी के नमूनो के विभिन्न मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं में उपलब्ध एन.पी.के. के विश्लेषण से यह पाया गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर मृदा में कुल नाइट्रोजन का स्तर कम है, फॉस्फोरस का स्तर मध्यम और पोटेशियम का स्तर उच्च आंका गया है। अखिल भारतीय समन्वित सूक्ष्म पोषक तत्व योजना के तत्वाधान में देश के 20 राज्यों में तैयार 2.52 लाख मिट्टी के नमूनों के विश्लेषण के आधार पर गंधक, जिंक, बोरोन, मोलिब्डिनम, लोहा, मैंगनीज और तॉबा के क्रमश: 41, 49, 33, 13, 12, 5 और 3 प्रतिशत नमूनो में कमी के संकेत मिले है।

आग से जमीन हो रही है खराब

किसानों को धान और गेहूं की पराली और खरपतवारों को खेत में जलाने से होने वाली हानि के बारे में जागरूक किया जाता है। इसके बावजूद किसान खेतों में आग लगाकर एक ओर तो वायु प्रदूषण करते है। दूसरी ओर अपना नुकसान भी करते हैं। खेत में पराली जलाने से मिट्टी के आवश्यक पोषक तत्व विशेषकर आयरन, जिंक, कॉपर, मैग्रिशियम सहित दूसरे पोषक तत्वों की हर साल चिंताजनक स्तर तक कमी होती जा रही है। इसके अलावा खेतों में गोबर की खाद अथवा जैविक खाद डालने का भी किसानों में रुझान नहीं हैं। खेतों में रासायनिक खादों का ही इस्तेमाल बढ़ रहा है।

फसलों में नुकसान ऐसे

नाइट्रोजन की कमी होने से पौधों की पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं। लचक कम होने के साथ कडी और छोटी हो जाती हैं। इस कारण हल्के से भी तनाव के कारण वह आसानी से टूटकर गिर जाती हैं। वहीं फास्फोरस की कमी से पौधे की पत्ती गहरे हरे रंग की संकरी होने के साथ कठोर हो जाती है। फसल के सिरे का रंग भी बैंगनी हो जाता है। साथ ही प्रकाश संश्लेषण की क्रिया धीमी पड़ने लगती है और पौधों का विकास रूक जाता है।

क्या है मृदा स्वास्थ्य कार्ड

मृदा स्वास्थ्य कार्ड एक रिपोर्ट अर्थात खेत की मिट्टी की जन्मपत्री है जिसमें मृदा स्वास्थ्य सम्बन्धी 12 मापदंडो (मानकों) को दर्शाया जाता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड मिट्टी परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग और मृदा सुधारक उपयोग की सलाह प्रदान करता है। यह एक गुणात्मक रूप से मृदा के स्वास्थ्य का मूल्यांकन है। कार्ड का उद्देश्य एक मृदा का दूसरी मृदा से तुलना करने का नही। बल्कि, मृदा क्षमता और साईट सीमा के अन्दर फसल उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक मृदा की क्षमता का मूल्यांकन संकेतको द्वारा उपयोग करने के लिए है।

आदर्श उपयोग अब तक नहीं

जनसंख्या के मामले में भारत दुनिया में सिरमौर बन चुका है। खाद्यान्न की मांग बढ़ती जा रही है। लेकिन, कृषि के मूलभूत संसाधन समय के साथ घटते जा रहे है। ऐसे में, मृदा की उर्वरता को बचाना बड़ी चुनौति बन चुका है। मृदा वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक सिफारिश के अनुसार खाद और उर्वरको का उपयोग नही कर रहे है। जिसके कारण असंतुलित उर्वरक उपयोग हो रहा है। अभियान चलाने के बाद भी नत्रजन, फास्फोरस और पोटाश 4:2:1 का आदर्श उपयोग अनुपात अब तक नही हो पा रहा है।

'ऑल अबाउट टूथ' क्लिनिक का उद्घाटन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। बेहतर दंत चिकित्सा उपलब्ध करवाने के संकल्प के साथ वैशाली नगर विस्तार स्थित विराट कृष्णम में ऑल अबाउट टूथ क्लिनिक का उद्घाटन त्वचा विशेषज्ञ एसएमएस अस्पताल के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं पूर्व अधीक्षक डॉ. ऋषि भार्गव ने किया। इस मौके पर सीजीएचएस जयपुर की पूर्व अपर निदेशक डॉ. नम्रता भार्गव भी उपस्थित थी। क्लिनिक के डायरेक्टर डॉ. तरपित भार्गव ने बताया कि यहां नवीनतम तकनीक एवं बेहतरीन सुविधाओं से परिपूर्ण श्रेष्ठ उपचार मिलेगा। इस मौके पर अनेक चिकित्सक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपलस्थित थे।

पार्कों एवं मंदिरों में 51 परिण्डे बांधे

जयपुर @ जागरूक जनता। मानव समाज सेवा संस्थान राजस्थान एवम् फ़िट्योग संस्थान द्वारा परिंडा बाँधो अभियान के अंतर्गत वार्ड 50 के विभिन्न पार्कों व मंदिरों में परिण्डे बांधे। कार्यक्रम संयोजक योग प्रशिक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि श्यामनगर क्षेत्र में पक्षियों के लिए दाना व पानी हेतु 51 परिण्डे बांधे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद पवन शर्मा रहे। इस अवसर पर फ़िट्योग परिवार ने पक्षियों के लिए दाना व पानी की व्यवस्था की ज़िम्मेदारी ली व महीने में एक शनिवार को पार्कों की सफ़ाई का जिम्मा भी लिया।

राज्य में बाल विवाह के प्रभावी रोकथाम के लिए उच्च न्यायालय ने किए आदेश जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय ने प्रदेश में बाल विवाह रोकथाम के लिए आदेश जारी कर बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 प्रभावी होने के बावजूद भी बाल विवाह हो रहे है। पंचायती राज नियम 1996 में बाल विवाह रोकने का दायित्व सरपंच पर है। माननीय न्यायालय ने अंतरिम उपाय के तौर पर यह निर्देश दिए है कि बाल विवाह को रोकने के लिए जाँच के संबंध में रिपोर्ट ली जावे। माननीय न्यायालय के आदेश मुख्य सचिव, सभी जिला मजिस्ट्रेट को प्रेषित करते हुए यह निर्देश दिए है कि उक्त आदेश को पंच, सरपंच तथा अन्य प्राधिकारियों को प्रसारित कर बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम की जाए। आदेश के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा बाल विवाह जैसी कुप्रथा की रोकथाम हेतु अक्षय तृतीया (आखातीज) जैसे पर्वो पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अन्य सावों पर भी विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाहों के आयोजन की संभावनाएं रहती हैं। अत: बाल विवाह की रोकथाम हेतु निरन्तर निगरानी रख क्षेत्र में बाल विवाह नहीं होना सुनिश्चित किया जाये। बाल विवाह की रोकथाम हेतु 181 कॉल सेन्टर पर तथा पुलिस नियंत्रण कक्ष के 100 नम्बर पर कॉल कर कभी भी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। इसका भी व्यापक प्रचार प्रसार किया जावे।

शिक्षा विभाग ने लॉन्च किया पोर्टल, घर बैठे पढ़ाई कर सकते हैं बच्चे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कई राज्यों ने भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों में लगभग एक महीने की छुट्टी कर दी है। ऐसे तो गर्मी की छुट्टियों में छात्र आराम करते हैं, खेलते-कूदते हैं और पढ़ाई से ब्रेक लेते हैं। लेकिन पढ़ने का अभ्यास न छूटे इसलिए पढ़ना भी जरूरी है। माता-पिता भी चाहते हैं कि उनके बच्चे दिन में कम-से-कम 2 घंटे का वक्त निकालकर पढ़ाई जरूर करें। इसे देखते हुए शिक्षा विभाग ने एक पोर्टल लॉन्च किया है, जिसमें घर बैठे बच्चे अपना पूरा कोर्स कर सकते हैं।

11 विषयों की होगी पढ़ाई

गर्मी की छुट्टियों में स्कूल जाने वाले बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो इसका ध्यान रखते हुए राजस्थान स्थित अलवर शहर में शिक्षा विभाग ने पहल की है। इसके तहत अब समर हॉलिडे में भी बच्चे घर बैठे पढ़ाई कर सकेंगे। इस योजना का लाभ लेने के लिए आप अपना रजिस्ट्रेशन कराएं। रजिस्ट्रेशन कराने के बाद 11 विषयों के 28 कोर्स पूरा कर सकते हैं।

कौन-कौन से विषय होंगे

इस पोर्टल पर शुरू किए गए 28 कोर्सेज में से 16 कोर्स 11वीं कक्षा के हैं और बाकी 12वीं कक्षा के हैं। इस कोर्स में नीचे बताए गए विषय उपलब्ध है-

- » अकाउंटेंसी,
- » बिजनेस स्टडीज
- » इकॉनोमिक्स
- » बॉयोलोजी
- » केमिस्ट्री
- » हिस्ट्री
- » ज्योग्राफी
- » मैथ्स
- » साइकोलॉजी
- » फिजिक्स
- » सोश्योलॉजी

इसके साथ ही इस पोर्टल पर ई-समाग्री, ई-शिक्षण और विद्यार्थी स्वमूल्यांकन (टेस्ट) उपलब्ध है।

सिर्फ 11-12वीं के छात्रों के लिए है ये पोर्टल

इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसका लाभ निजी और सरकारी दोनों ही स्कूल के विद्यार्थी ले सकते हैं। शिक्षा विभाग ने रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। इस पोर्टल पर 30 सितंबर तक कोर्स चलेंगे। ऐसे में आप भी जल्द-से-जल्द रजिस्ट्रेशन कराएं और इस गर्मी की छुट्टी जमकर पढ़ाई करें। बता दें, यह योजना सिर्फ और सिर्फ 11-12वीं के छात्रों के लिए है। इस योजना में 11वीं-12वीं कक्षा के वैसे छात्र खुद को एनरोल कर सकते हैं, जिनके स्कूल में एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाई जाती हैं।

छुट्टियों में एक्स्ट्रा ज्ञान

इस योजना की खास बात यह है कि इसका लाभ सरकारी और निजी दोनों स्कूल के विद्यार्थी ले सकते हैं. शिक्षा विभाग ने रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। पोर्टल पर 30 सितंबर तक कोर्स चलेगा। पोर्टल पर शुरू किए गए 28 कोर्सेज में से 16 कोर्स 11वीं के शेष 12वीं के हैं. इनमें अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज, इकॉनोमिक्स, बॉयोलोजी, केमिस्ट्री, हिस्ट्री, ज्योग्राफी, मैथ्स, साइकोलॉजी, फिजिक्स और सोश्योलॉजी सहित कई विषय शामिल किए गए हैं।

 # English Medium School : टाइम फ्रेम जारी

एडमिशन के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू, लॉटरी 14 को

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम और राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में प्रवेश के लिए शिक्षा विभाग ने टाइम फ्रेम जारी कर दिया है। शिक्षा निदेशालय ने कहा कि अभिभावकों से आवेदन पत्र शाल दर्पण, क्यूआर कोड माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश दिया जाना है।

ऑनलाइन आवेदन 12 मई तक

प्रवेश के लिए 7 से 12 मई तक ऑनलाइन आवेदन करने का समय है। एडमिशन के लिए प्राप्त आवेदनों की सूची, कक्षावर रिक्तियों की सूचना बोर्ड पर चस्पा 13 मई को होगी. 14 मई को लॉटरी निकाली जाएगी। लॉटरी के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों की सूची नोटिस बोर्ड पर चस्पा 15 मई को होगी। 15 मई से एडमिशन शुरू होगा।

शेष सीटों पर होगा प्रवेश

इंग्लिस मीडियम स्कूल सत्र 2023-24 में कक्षा 1 से 5, कक्षा 1 से 6, कक्षा 1 से 9 और कक्षा 1 से 11 तक चल रहा था। अब सत्र 2024-25 में कक्षा 6, 7, 10 और कक्षा 12 तक इंग्लिस मीडियम की पढ़ाई होगी। इन कक्षाओं में पहले पढ़ रहे छात्रों का पहले एडमिशन होगा। उसके बाद बची सीटों पर एडमिशन होगा। इसके अलावा वर्तमान में जिन अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कक्षा 1 से 10 तक अंग्रेजी माध्यम संचालित है तथा जिनमें 11वीं कक्षा प्रथम बार संचालित की जानी है। उनमें संकाय स्वीकृति के उपरान्त प्रवेश प्रक्रिया के लिए बाद में अलग से दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

10वीं तक होंगे आवेदन

श्योपुर रोड सांगानेर स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, सैक्टर-5, प्रताप नगर में सत्र 2024-25 में अंग्रेजी माध्यम (सह शिक्षा) में कक्षा नर्सरी से 10वीं के विद्यार्थियों के नवीन प्रवेश के लिए 12 मई तक शाला दर्पण पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। प्रधानाचार्य सीमा शुक्ला ने बताया कि प्रवेश के लिए अभिभावक विद्यालय समय में आकर अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ऐसे निर्धारित किए जाएंगे सेक्शन

अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए आरटीई के मानकों के अनुरूप सेक्शन निर्धारित किए गए है. कक्षा 1 से 5 तक 30 विद्यार्थी प्रति सेक्शन, कक्षा 6 से 8 में 35 विद्यार्थी तथा कक्षा 9 से 12 में 60 विद्यार्थी प्रति सेक्शन निर्धारित किए गए हैं.

पार्किंसंस रोगियों के लिए आशा की एक नई किरण

नारायणा हॉस्पिटल में राजस्थान की पहली डीप ब्रेन स्टिमुलेशन सर्जरी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर ने राजस्थान की पहली डीप ब्रेन स्टिमुलेशन (डी.बी.एस) सर्जरी सफलतापूर्वक की है, जो राज्य में मूवमेंट डिसऑर्डर के इलाज में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रक्रिया द्वारा पार्किंसंस रोग, डिस्टोनिया और अन्य कंपन जैसी समस्याओं से जूझ रहे रोगियों को नई उम्मीद जगी है। रोगियों की देखभाल को लेकर नारायणा हॉस्पिटल हमेशा से सजग रहा है और नारायणा हॉस्पिटल का यही प्रयास रहता है कि लोगों को समय रहते उचित परामर्श मिले, ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो पाए।

66 वर्षीय मरीज कृष्णा देवी पिछले छह वर्षों से क्रोनिक पार्किंसंस के लक्षणों से पीड़ित थी। अन्य समस्याओं के अलावा वह खाना खाने, लंबे समय तक बैठे रहने और चलने जैसे साधारण दैनिक कामों को भी करने में असमर्थ थी। फिर उनके किसी रिश्तेदार ने न्यूरोलॉजिस्ट एवं मूवमेंट डिसऑर्डर विशेषज्ञ डॉ. वैभव माथुर के बारे में बताया जिनसे संपर्क में आने के बाद यह पाया गया कि मरीज क्रोनिक पार्किंसंस की समस्या से पीड़ित हैं जिसे डी.बी.एस सर्जरी करने के बाद काफी हद तक सही किया जा सकता है। इसके बाद विशेषज्ञों की एक टीम का गठन किया गया जिसमें न्यूरोसर्जन, न्यूरोलॉजिस्ट, एनेस्थीसिया टीम और अन्य विशेषज्ञ शामिल थे।

डी.बी.एस एक मिनिमली इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रिया है जो मूवमेंट यानी गति को नियंत्रित करने के लिए मस्तिष्क के विशिष्ट भागों को टारगेट करती है। इसमें एक छोटा पेसमेकर छाती में प्रत्यारोपित किया जाता है और इलेक्ट्रोड के माध्यम से उसकी इलेक्ट्रिक पल्स को दिमाग में भेजा जाता है, जो असामान्य गतिविधि को नियंत्रित करता है और कंपन एवं अन्य मूवमेंट डिसऑर्डर के लक्षणों को कम करता है।

डॉ. नितिन भाकल, कंसलटेंट- न्यूरो सर्जरी, नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर ने कहा कि, "हमें डी.बी.एस सर्जरी करने वाला राजस्थान का पहला हॉस्पिटल होने पर गर्व है। यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया क्रोनिक मूवमेंट डिसऑर्डर से पीड़ित रोगियों के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी उपचार का विकल्प है"। उन्होंने यह भी बताया कि इस मरीज की सर्जरी लगभग 4 घंटे चली जिसके बाद मरीज को नया जीवन मिला।

नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप कुमार गोयल ने कहा कि "हमारा प्रयास हमेशा से मरीजों की देखभाल हेतु समर्पित रहना है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि हम रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम, निरंतर देखभाल एवं उपचार को लेकर कितने सजग हैं। हम सफल इलाज के माध्यम से मरीज को ठीक करने के साथ ही संपूर्ण देखभाल को लेकर समर्पित रहते हैं।"

कंपन रोगियों के लिए वरदान

सफलतापूर्वक इलाज का श्रेय राजस्थान के पहले मूवमेंट डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट्स और नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के न्यूरोलॉजिस्ट्स डॉ. वैभव माथुर को जाता है, जिन्होंने इस अत्याधुनिक प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। डॉ. माथुर ने बताया कि "रोगी में मूवमेंट डिसऑर्डर के क्रॉनिक लक्षण थे जिन्हें सहन कर पाना रोगी के लिए काफी दर्दनाक हो रहा था, इसलिए हमने इस इनोवेटिव प्रक्रिया को करने का फैसला किया। सर्जरी 4 घंटे लंबी थी और एक बार प्रत्यारोपण हो जाने के बाद हमने पेसमेकर को प्रोग्राम करना शुरू कर दिया और कुछ दिनों में ही अच्छे परिणाम दिखने लगे"। यह अपनी तरह की पहली डी.बी.एस सर्जरी है जो 1998 के पहले से ही उपयोग में है। हालांकि, इस सर्जरी और उसके बाद की प्रोग्रामिंग के लिए राजस्थान के मरीजों को दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और हैदराबाद की यात्रा करनी पड़ती थी। लेकिन उसी स्तर की विशेषज्ञता अब राजस्थान में भी उपलब्ध है जो पार्किंसंस रोग, डिस्टोनिया और कंपन के रोगियों के लिए वरदान साबित हो सकती है।

सोशल मीडिया मैनेजर की बढ़ रही डिमांड

डिजिटल मार्केटिंग के बढ़ते चलन ने सोशल मीडिया मैनेजर की मांग को तेजी से बढ़ाया है. किसी व्यवसाय और उसके लक्षित बाजारों के बीच संपर्क का काम सोशल मीडिया मैनेजर का होता है. एक सोशल मीडिया मैनेजर की जिम्मेदारी सभी एक्टिव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंपनी के प्रोफाइल को मजबूत बनाना एवं अपने क्लाइंट के फॉलोअर्स की संख्या को बढ़ाना है. साथ ही कंपनी की जरूरतों के अनुसार सोशल मीडिया कैंपेन ऑर्गनाइज करना, अधिक से अधिक लोगों को कैंपेन से जोड़ना व फॉलोवर्स की संख्या बढ़ाने की रणनीति सोशल मीडिया मैनेजर ही तैयार करते हैं.

सोशल मीडिया मैनेजर कंपनी के प्रमोशन से संबंधित फोटो एवं सूचनाएं सोशल मीडिया पर अपलोड करते हैं, सोशल मीडिया के ट्रेंड्स और रुझानों पर भी ध्यान रखते हैं और उसी के मुताबिक अपनी मार्केटिंग रणनीति बनाते एवं उसमें सुधार करते हैं, ताकि वे अपनी कंपनी को अन्य कंपनियों से आगे ले जा सकें. अगर आप संभावनाओं से भरे क्षेत्र में करिअर बनाना चाहते हैं तो इस प्रोफेशन के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं.

योग्यता

सोशल मीडिया मैनेजर बनने के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता किसी भी क्षेत्र से स्नातक डिग्री होनी चाहिए. डिजिटल मार्केटिंग में स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवार को अधिक वरीयता दी जाती है. मार्केटिंग में बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA) या बैचलर इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन में स्नातक (BJMC) डिग्री प्राप्त करनेवालों के लिए भी इस प्रोफेशनल में आगे बढ़ने की अच्छी संभावनाएं हैं. कई कंपनियां मार्केटिंग, कम्युनिकेशन एवं एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन जैसे विषयों के साथ स्नातक करने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता देती हैं. कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं, जो 12वीं के बाद सोशल मीडिया में अच्छा कार्यानुभव रखने वालों को हायर करती हैं.

राह आसान बनाएंगे ये स्किल्स

सोशल मीडिया मैनेजर को मार्केटिंग से संबंधित विभिन्न टास्क पूरे करने होते हैं. ऐसे में कुछ स्किल्स उनके काम को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. क्योंकि सोशल मीडिया एक विशाल क्षेत्र है, जो आपको विदेशी क्लाइंट व ऑर्गनाइजेशन से भी जोड़ता है. ऐसे में विभिन्न लोगों के साथ संपर्क बनाने के लिए आपके पास अच्छा कम्युनिकेशन स्किल, अच्छा कंटेंट तैयार करने की समझ, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन की जानकारी, डिजाइनिंग स्किल व डेडलाइन पर टास्क को पूरा करने की स्किल्स का होना आवश्यक होता है.

अवसर

- **कम्युनिटी मैनेजर** - ये मुख्य रूप से फोरम, न्यूजलेटर्स और इवेंट आदि की मदद से ब्रांड की टारगेट ऑडियंस, कस्टमर एवं क्लाइंट्स के साथ रिलेशनशिप डेवलप करने का काम करते हैं.
- **कंटेंट मार्केटर** - कंटेंट मार्केटिंग एक ऐसा सेग्मेंट है, जिसे कई सोशल मीडिया मैनेजर अपनाते हैं. वे लोग, जिन्हें शब्दों से खेलना पसंद है और वे शब्दों के जरिए किसी ब्रांड से लोगों को जोड़े रखने का हुनर जानते हैं, उनके लिए कंटेंट मार्केटर बनना एक आदर्श विकल्प है.
- **क्रिएटिव डिजाइन** - इनके पास अच्छा विजुअल कंटेंट सेंस का होना आवश्यक होता है. ऐसे लोग जो कुछ रोमांचक बनाना चाहते हैं, कुछ ऐसा जो जनता को पसंद आएगा, वे अपने सोशल मीडिया ज्ञान और कलात्मकता को इस प्रोफेशन से जोड़ सकते हैं. क्रिएटिव डिजाइन का काम किसी ब्रांड के लिए लोगो व अन्य प्रकार की डिजाइन को तैयार करना होता है.
- **मार्केटिंग स्पेशलिस्ट** - यह काफी लोकप्रिय प्रोफेशन है, खासकर उन लोगों के लिए जो सोशल मीडिया मैनेजर बनने से ज्यादा की तलाश में होते हैं. ऐसे लोग जिन्हें मार्केटिंग से संबंधित सभी तरह के ट्रेंड्स की जानकारी होती है, वे मार्केटिंग स्पेशलिस्ट बन सकते हैं. ईमेल से लेकर कंटेंट मार्केटिंग और सोशल मीडिया स्ट्रैटेजी बनाने तक मार्केटिंग स्पेशलिस्ट ही सब कुछ करता है.
- **सोशल मीडिया कंसल्टेंट** - सोशल मीडिया मैनेजमेंट के क्षेत्र में कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अनुभव प्राप्त करने के बाद आप एक सोशल मीडिया कंसल्टेंट बन सकते हैं. इस भूमिका के साथ आप फ्रीलांसर के रूप में भी काम कर सकते हैं और कई ग्राहकों के लिए अपनी सेवाएं प्रदान कर सकते हैं.
- **अकाउंट मैनेजर** - इस पद पर काम करनेवाले व्यक्ति को क्लाइंट के साथ डायरेक्ट डील करनी होती है. ये प्रोफेशनल्स अपने क्लाइंट्स की सभी तरह की इंफॉर्मेशन का जानकारी रखते हैं और उनका एक रिकॉर्ड भी तैयार करते हैं.

एविएशन मैनेजमेंट से दें करिअर को नई उड़ान

एविएशन मैनेजमेंट एक ऐसा क्षेत्र है जो संवेदनशीलता, स्वतंत्रता और विज्ञान को साथ लेकर चलता है. एविएशन इंडस्ट्री केवल यात्रा और यात्री सेवा के लिए ही नहीं है, बल्कि यह आर्थिक विकास, इंडस्ट्रियल ग्रोथ और राष्ट्रीय आधार की गतिविधियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह आएदिन ऐसे युवाओं के लिए बेहतरीन नौकरी के अवसर सृजित करता है, जो एयरलाइंस और एयरपोर्ट मैनेजमेंट में मैनेजेरियल पदों पर काम करने की ख्वाहिश रखते हैं. वे एविएशन मैनेजमेंट का रुख कर अपने करिअर को सफलता की उड़ान दे सकते हैं. एयरलाइंस एवं एयरपोर्ट ऑपरेशन मैनेजमेंट दोनों ही एविएशन मैनेजमेंट के तहत आते हैं. इसलिए इस क्षेत्र में जॉब के कई अवसर मौजूद हैं. आप अगर इस संभावनाओं से पूर्ण क्षेत्र में करिअर बनाना चाहते हैं, तो एविएशन मैनेजमेंट आपके लिए बेहतरीन विकल्प बन सकता है. जानिए एविएशन मैनेजमेंट के करिअर में कैसे आगे बढ़ सकते हैं.

योग्यता

मान्यताप्राप्त संस्थान से साइंस स्ट्रीम के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से 12वीं पास करनेवाला कोई भी छात्र एविएशन मैनेजमेंट के ग्रेजुएशन कोर्स में दाखिला ले सकता है. पोस्ट ग्रेजुएशन करने के लिए अभ्यर्थी का स्नातक होना अनिवार्य है. पीजी में प्रवेश के लिए राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तर पर कुछ प्रवेश परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं. वहीं केबिन क्रू या ग्राउंड स्टाफ की नौकरी के लिए किसी भी स्ट्रीम में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनेवाले आवेदन कर सकते हैं.

कोर्सेज

- **BBA कोर्स इन एविएशन मैनेजमेंट** - तीन वर्षीय इस कोर्स के माध्यम से छात्रों को एविएशन मैनेजमेंट के क्षेत्र में फाइनेंशियल अकाउंटिंग, कार्गो हैंडलिंग, एविएशन मार्केटिंग, ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर, एयरलाइंस के एयरपोर्ट फंक्शन आदि से संबंधित जिम्मेदारियों के लिए तैयार किया जाता है.
- **बीएससी इन एविएशन** - यह डिग्री कोर्स उन युवाओं के लिए है, जो एविएशन मैनेजमेंट के क्षेत्र में टेक्निकल जॉब करना चाहते हैं. इसके अंतर्गत छात्रों को एयर रेग्युलेशंस, नेविगेशन, मेटियोरोलॉजी, एयरक्राफ्ट एवं इंजन, एयर ट्रैफिक कंट्रोल, क्रू मैनेजमेंट आदि विषयों की जानकारी दी जाती है. इसमें **BSc** पूरा करने के बाद छात्र एविएशन सेक्टर से संबंधित पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्सेज जैसे– **MSc** एविएशन सेफ्टी, कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग (**CPL**) आदि की ओर भी बढ़ सकते हैं.
- **MBA इन एविएशन मैनेजमेंट** - इस स्पेशलाइजेशन कोर्स में दाखिला लेने वाले ग्रेजुएट्स को ई-बिजनेस, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस एवं मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, एविएशन लॉ, एयरलाइन इकोनॉमिक्स, एयरलाइन एडवरटाइजिंग एंड सेल्स प्रमोशन आदि की जानकारी दी जाती है.
- **डिप्लोमा इन एविएशन मैनेजमेंट** - 1 वर्षीय इस कोर्स में एयरपोर्ट मैनेजमेंट पर फोकस किया जाता है, जिसके अंतर्गत स्टाफ मैनेजमेंट, सेफ्टी एवं सिक्योरिटी मैनेजमेंट, कार्गो मैनेजमेंट एवं एयरपोर्ट स्ट्रेटजी एवं फंक्शनिंग आदि से संबंधित पढ़ाई होती है.
- **डिप्लोमा इन एविएशन हॉस्पिटैलिटी** - यह स्पेशलाइज्ड डिप्लोमा आपको उन विशिष्ट कौशलों से लैस करता है, जिनकी आवश्यकता एविएशन सेक्टर में काम करने के लिए होती है. इस कोर्स के विषयों में कम्युनिकेशन, इंट्रोडक्शन ऑफ एविएशन हॉस्पिटैलिटी, फूड एवं बेवरेज प्रोडक्शन, फ्रंट ऑफिस ऑपरेशंस, मैनेजमेंट आदि शामिल हैं.

प्रमुख संस्थान

- राजीव गांधी नेशनल एविएशन यूनिवर्सिटी (RGNAU), बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज इन एविएशन सर्विसेज एंड एयर कार्गो, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एयरपोर्ट ऑपरेशंस.
- मुंबई यूनिवर्सिटी, ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एविएशन, बीबीए इन एविएशन.
- जामिया मिल्लिया इस्लामिया सेंट्रल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, एयरोनॉटिक्स में बीएससी.
- वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर, बीबीए इन एविएशन.
- एनआईएमएस (निम्स) यूनिवर्सिटी, जयपुर. डिप्लोमा इन एविएशन, MSc इन एविएशन.
- SJES कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बेंगलुरू. एमबीए इन एविएशन एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट.
- नेहरू कॉलेज ऑफ एयरोनॉटिक्स एंड एप्लाइड साइंसेज, कोयम्बटूर. एमबीए इन एयरलाइन एंड एयरपोर्ट मैनेजमेंट.

सक्सेस STORY

बड़ा सोचेंगे तो जीवन में बड़ा करेंगे

बिना किसी कोचिंग के यश बने IAS

पहले ही प्रयास में हासिल की AIR-4

देश की सबसे मुश्किल परीक्षाओं में से एक यूपीएससी की परीक्षा है, इसे पास करने के लिए कई अभ्यर्थी सालों तक मेहनत के साथ तैयारी करते हैं. जिसमें काफी अभ्यर्थियों के हाथ सफलता आती है तो कई असफल भी रहते हैं. इन्हीं में कुछ आईएएस ऑफिसर ऐसे भी होते हैं जो बिना कोचिंग किए, पहले ही प्रयास में **UPSC** की परीक्षा को पास कर लेते हैं. ऐसे ही एक आईएएस यश जालुका हैं, जिन्होंने 2020 की यूपीएससी परीक्षा में बिना किसी कोचिंग के अपने पहले ही प्रयास में ऑल इंडिया रैंक-4 प्राप्त कर सफलता हासिल की है.

ध्यानपूर्वक चुनें ऑप्शनल सब्जेक्ट

झारखंड के धनबाद जिले के एक गांव के रहने वाले यश जालुका ने अपनी शुरुआती पढ़ाई झारखंड से की. फिर कॉलेज की पढ़ाई करने के लिए वह दिल्ली चले गए, जहां से उन्होंने बीकॉम और एमकॉम किया. पढ़ाई करने के दौरान ही उन्होंने सिविल सर्वेंट बनने का निर्णय लिया और वे यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी करने में जुट गए. उन्होंने बैचलर्स और मास्टर्स डिग्री कॉमर्स से हासिल की है, इसलिए उन्होंने अपने ऑप्शनल सब्जेक्ट के रूप में भी कॉमर्स ही चुना, और बिना कोई कोचिंग लिए उन्होंने परीक्षा की तैयारी करना शुरू कर दिया. उन्होंने शेड्यूल बनाया, इंटरनेट की मदद ली और मेहनत के साथ तैयारी करना शुरू कर दिया. ध्यानपूर्वक ऑप्शनल सब्जेक्ट चुनना उनके लिए अच्छा साबित हुआ और उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें पहले ही प्रयास में UPSC की परीक्षा में AIR-4 हासिल करवाई.

अन्य लोगों को सलाह

UPSC परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को यश कहते हैं कि जो लोग इस परीक्षा को क्रैक करना चाहते हैं, उन्हें सब्जेक्ट-वाइज स्ट्रेटेजी बनानी चाहिए. इसके अलावा आपको सिलेबस पर पूरा फोकस करना चाहिए कि कहां से क्या शुरुआत करनी है. यश का कहना है कि UPSC के लिए सेल्फ स्टडी और फोकस सबसे ज्यादा जरूरी है. जब भी आप पढ़ाई करते हैं तो शॉर्ट नोट्स बनाएं और रिविजन के समय उन्हें दोबारा पढ़ें. आंसर लिखने की प्रैक्टिस होना भी बेहद जरूरी है और आपको समय-समय पर अपनी स्पीड को अनालाइज करना चाहिए. जब भी आपको प्रैक्टिस में कमी नजर आए, तो उसे सुधारना चाहिए. उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को अपना ऑप्शनल सब्जेक्ट बहुत सोच-समझकर चुनना चाहिए.

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता ALERT

डिजिटल स्टोरी टेलिंग कॉम्पिटिशन

इवेक कंसल्टेंट्स की ओर से डिजिटल स्टोरी टेलिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है. इसके लिए दुनिया भर के छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं. इस कॉम्पिटिशन में छात्रों को चले आ रहे युद्धों और संघर्षों की कहानी को रचनात्मक ढंग से एक संतुलित, निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाते हुए सोशल मीडिया पर कहना होगा.

योग्यता

हाई स्कूल से कॉलेज तक के छात्र इस कॉम्पिटिशन में भाग लेने के पात्र हैं. प्रतिभागी अकेले या अपनी टीम के साथ डिजिटल स्टोरी टेलिंग कॉम्पिटिशन में भाग ले सकते हैं. एक टीम में अधिकतम 5 सदस्य ही रह सकते हैं. कॉम्पिटिशन में चयनित प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को नकद 2,500 डॉलर, द्वितीय विजेता को 1,500 डॉलर और तृतीय विजेता को 1,000 डॉलर का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा. इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार अपनी योग्यता की जांच करते हुए वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं.

- **अंतिम तिथि** - 31 मई, 2024
- **वेबसाइट** - www. reinterpretingconflict.com

स्कॉलरशिप ALERT

यूसीएल-ग्रेट स्कॉलरशिप

यह यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (**USL**), ब्रिटिश काउंसिल और ग्रेट ब्रिटेन कैंपेन की एक संयुक्त पहल के तहत ऑफर की जाने वाली स्कॉलरशिप है. इसके तहत भारत सहित बांग्लादेश, नाइजीरिया और मलेशिया जैसे देशों के छात्र आवेदन कर सकते हैं.

योग्यता

एक पोस्ट ग्रेजुएशन स्टूडेंट के रूप में अप्लाई करने वाले चुनिंदा एस्पिरेंट्स को इस स्कॉलरशिप के तहत वित्तीय सहायता दी जाती है. यह स्कॉलरशिप एस्पिरेंट्स को पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम के तहत ट्यूशन फीस ऑफर करती है. इसके लिए आपको यूनिवर्सिटी के किसी पूर्णकालिक पीजी प्रोग्राम में एडमिशन के लिए अप्लाई करना होगा. चयन के तुरंत बाद छात्रों को यूनिवर्सिटी में संपर्क करना होगा.

अंतिम तिथि - 17 मई, 2024

वेबसाइट - www. ucl.ac.uk/scholarships/great-scholarship

गर्मी की छुट्टियों को बनाएं लर्निंग टाइम

बोर्ड परीक्षाओं के रिजल्ट जल्द ही आने वाले हैं. 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए ग्रेजुएशन में एडमिशन की तैयारी का समय है, लेकिन 10वीं पास करने वाले स्टूडेंट्स के लिए गर्मी की छुट्टियां किसी मौके से कम नहीं होती हैं. यह वह समय है जब स्टूडेंट्स नई स्किल्स सीखकर खुद को भविष्य के लिए तैयार कर सकते हैं. जानिए गर्मी की छुट्टियों में खुद को कैसे अपग्रेड किया जा सकता है.

अपने इंट्रेस्ट को समझें

पढ़ाई में व्यस्त होने के कारण बहुत से ऐसे स्टूडेंट्स हैं जो खुद के इंट्रेस्ट को समझ ही नहीं पाते. इसलिए गर्मी की छुट्टियों का समय अपने इंट्रेस्ट को समझने, कैसे अपने इंट्रेस्ट को करिअर ऑप्शन बनाने, और प्लानिंग बनाकर स्टडी प्लान तैयार करने के लिए बेहतर होता है. अगर आपको आपके इंट्रेस्ट को लेकर है किसी तरह का कोई कंफ्यूजन है तो अपने मेंटॉर, पेरेंट्स या करिअर काउंसलर से बात कर सकते हैं. वो आपको सही राह दिखाने में मदद करेंगे.

शॉर्ट टर्म कोर्स

गर्मी की छुट्टियों में शॉट टर्म कोर्स आपके लिए बेहतर साबित हो सकते हैं. ये कोर्स 2 हफ्ते से लेकर 2 महीने तक के लिए हो सकते हैं. इन दिनों कई ऑनलाइन शॉर्ट टर्म कोर्स की डिमांड है और ये आसानी से किए जा सकते हैं. ये स्टूडेंट्स को उनकी पसंद के फील्ड को समझने के साथ भविष्य का रास्ता दिखाने में भी मदद करते हैं. जैसे- कप्यूटर से जुड़े कोर्स, कोडिंग, ऐप डिजाइनिंग, एनिमेशन, ग्राफिक डिजाइनिंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज समेत कई अलग-अलग विषयों से जुड़े शॉर्ट टर्म कोर्स किए जा सकते हैं.

इंटर्नशिप

10वीं के बाद कई सर्टिफिकेट कोर्स किए जा सकते हैं और इसके बाद इंटर्नशिप करने का मौका मिलता है. कई प्लेटफॉर्म स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप का मौका देते हैं. ये स्टूडेंट्स की स्किल्स को बढ़ाते हैं. बतौर इंटर्न, स्टूडेंट्स यह समझ पाते हैं कि उनके पसंदीदा फील्ड में काम करने का तरीका कैसा है. वे उसमें कितनी दिलचस्पी पैदा कर पा रहे हैं. इसके लिए गर्मी की छुट्टियों का बेहतर इस्तेमाल कर सकते हैं.

लैंग्वेज सीखें

विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर आप हिन्दी और अंग्रेजी के साथ किसी अन्य नई भाषा पर पकड़ बनाते हैं तो यह भविष्य में आपके करिअर का एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है. उसके लिए यह सबसे बेहतर समय है.

विषय की कमजोरियों को दूर करें

अगर आपको लगता है कि आप किसी विषय में कमजोर हैं और उसके कॉन्सेप्ट समझ नहीं आते, तो गर्मी की छुट्टियां उसे समझने के लिए बेहतर समय है.

पढ़ाई के तनाव को ऐसे घटाएं

पढ़ाई के दौरान कई बार खुद से ज्यादा उम्मीदें होना या परिजनों की उम्मीदों का बोझ महसूस करना, कॉम्पिटिशन में खुद को कमतर आंकना जैसी वजहों के चलते तनाव पैदा हो जाता है. इसे दूर करने में ये टिप्स मददगार साबित हो सकती हैं-

- पढ़ाई का समय निर्धारित करें. टाइम-टेबल के अनुसार ही पढ़ें.
- परिजनों के पास बैठें या उनसे अपनी समस्याएं साझा करें.
- समय पर खाना खाएं. शरीर व मन को फिट रखने के लिए कोई व्यायाम करें.
- अपना आत्मविश्वास बनाए रखें और विफलता का सामना करना सीखें.
- 6 से 8 घंटे नींद लें. पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना चाहिए.
- खुद को अकेला न समझें. ज्यादा दिक्कत हो तो विशेषज्ञ से परामर्श लें.

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की विशेष बैठक आयोजित

स्काउट गाइड सह शैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन हो-राज्यपाल

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में स्काउट गाइड सह शैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी स्तरों पर वातावरण निर्माण कर कार्य किया जाए। राज्यपाल ने स्काउट गाइड में उत्कृष्ट कार्यों के लिए संगठन के सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी को इस अवसर पर चल वैजयंती शील्ड भी प्रदान की।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को राजभवन में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की विशेष बैठक में संबोधित कर रहे थे। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार की सौ दिवसीय कार्य योजना के अंतर्गत 1 हजार 500 नवीन विद्यालयों में स्काउट गाइड समूह का पंजीकरण कर इनकी गतिविधियां प्रभावी की गई है। इसी तरह 8 हजार 826 निष्क्रिय समूहों को सक्रिय किया गया तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 4हजार से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। बैठक में इस संगठन के अंतर्गत गुणात्मक वृद्धि के लिए किए गए प्रयासों के बारे में भी बताया गया। राज्यपाल ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि राजस्थान शिक्षा के साथ सह शैक्षिक गतिविधियों में देश भर में अग्रणी है। उन्होंने शिक्षा के साथ साथ विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमताओं के विकास के लिए निरंतर कार्य किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में भी विद्यार्थियों की क्षमता विकास पर ही अधिक जोर दिया गया है।

राज्यपाल ने पूरे देश में एक मात्र राजस्थान में स्काउट गाइड के आवासीय विद्यालयों का गठन कर उनका संचालन को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने जगतपुरा, जयपुर और खुडी, लक्ष्मणगढ़, सीकर में इस तरह के आवासीय विद्यालयों और वहां की गतिविधियों से विद्यार्थियों में सृजनात्मक क्षमताओं विकास के लिए किए कार्यों की सराहना भी की। उन्होंने राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की सहशैक्षिक गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन के साथ इनमें देशभर में राज्य को अग्रणी किए जाने का आह्वान किया। बैठक में बताया गया कि इस समय 60 प्रतिशत से अधिक विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों में स्काउट गाइड गतिविधियां संचालित हो रही है। राज्यपाल ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय की तर्ज पर महाविद्यालयों और विद्यालयों के लिए सात दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिए भी कार्यवाही किए जाने पर सहमति जताई।

आयुर्वेद विवि में मनाया गया वर्ल्ड अस्थमा डे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति की प्रेरणा से विश्व अस्थमा दिवस मनाया गया ।

पंचकर्म विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि भारत में प्रतिवर्ष अस्थमा की बीमारी से होने वाली मृत्यु दर में बढ़ोतरी हो रही है। अस्थमा कई कारणों से हो सकता है, अधिकांश मामलों में,अस्थमा एक एलर्जिक प्रतिक्रिया के परिणाम के रूप में विकसित होता है। धूल, धुएं, धूम्रपान, जेनेटिक प्रभाव आदि से अस्थमा होता है। पंचकर्म के सहायक आचार्य डॉ.दिलीप कुमार व्यास ने कहा कि अस्थमा के लिए सावधानियों में हल्दी और दूध का सेवन करना चाहिए। हल्दी में एंटीबायोटिक गुण होते हैं जो श्वसन संबंधी समस्याओं को कम करने में मदद करते हैं। स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम, और उचित आहार विहार अस्थमा को रोकने में मदद करता है। इस अवसर पर पंचकर्म के सहायक आचार्य डॉ.अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित, पंचकर्म विभाग के स्नातकोत्तर अध्येता डॉ.कैलाश ताडा, डॉ.ओमप्रकाश ने अस्थमा के निदान, लक्षणों, और चिकित्सा के बारे में विस्तृत व्याख्यान दिया। इस दौरान पंचकर्म विभाग में उपचार ले रहे सभी रोगी एवं समस्त पी.जी. अध्येता एवं स्नातक छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

वित्तीय जागरूकता विषय पर सेमिनार

जयपुर @ जागरूक जनता। उद्यानिकी महाविद्यालय, दुर्गापुरा जयपुर की एन.एस.एस. शाखा द्वारा वित्तीय जागरूकता विषय पर एक दिवसीय विषेष सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता मुंबई स्टॉक एक्सचेंज प्रोटेक्षन फण्ड की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अल्का पारीक ने विद्यार्थियों कॉमोडिटी डेरिवेटिव मार्केट, पोस्ट ऑफिस, बैंक इंष्योनेंस एवं म्यूचुअल फण्ड आदि के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय के डीन डॉ. एल.एन. बैरवा ने बताया की युवा अवस्था में वित्तीय योजना एवं प्रबंधन महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा, डॉ. भारती शौकीन, डॉ. अषोक चौधरी, डॉ. तनुज मिश्रा, डॉ. रंजना सिरोही, डॉ. सुरेष चन्द्र शर्मा सहित सभी कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में एन.एस.एस प्रभारी डॉ. विजय पारासर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

25 किलो प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

सिरोही @ जागरूक जनता। स्वच्छ भारत मिशन 2024 के तहत नगर परिषद् आयुक्त प्रकाश डूडी के निर्देशानुसार शहर में उपयोग में लिए जा रहे प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक पर कार्यवाही की नगर परिषद् की टीम द्वारा दिनांक 06.05.2024 को सायं 5.00 बजे सदर बाजार में विभिन्न दुकानों से 25 किलो प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त किया एवं भविष्य में सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल नही करने की हिदायत भी दी। नगर परिषद् के अनु. स्वच्छता निरीक्षक प्रवीण माली के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियंता सोहनलाल,दिक्षित कुमार मोतीलाल द्वारा पॉलिथिन जब्त करने की कार्यवाही की गई।

Rajasav Mandal : सर्वश्रेष्ठ चयनित निर्णय पर होगा राज्य, संभाग एवं जिला स्तर पर सम्मान

अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों के श्रेष्ठ निर्णयों का होगा मूल्यांकन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अजमेर। राजस्व मंडल की ओर से राजस्था न के विविध अधीनस्थ न्यायालयों की ओर से जारी होने वाले निर्णयों का गुणात्मक रूप से मूल्यांकन कर श्रेष्ठता के आधार पर संबंधित पीठासीन अधिकारियों को राज्य, संभाग एवं जिला स्तर सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत विगत वर्ष 2023-24 के दौरान पारित निर्णयों में से श्रेष्ठ निर्णय को पुरस्कृत किया जायेगा।

राजस्व मंडल के अध्यक्ष श्री राजेश्वर सिंह के निर्देशानुसार इस नवाचारी कदम का मुख्य उद्देश्य राजस्व न्यायालयों में उत्कृष्ट, गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत निर्णय लेखन की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना है। राजस्व मंडल के अध्यक्ष ने बताया कि राज्य के अधीनस्थ न्यायालयों की ओर से विगत 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 की अवधि में पारित निर्णयों में से पीठासीन अधिकारी के स्तर पर स्व मूल्यांकन करते हुए सर्वश्रेष्ठ निर्णय को 5 जून से पूर्व राजस्व मंडल को भिजवायेंगे। मंडल को प्राप्त होने वाले निर्णयों का गठित समिति द्वारा समुचित मूल्यांकन किया जायेगा। मूल्यांकन के पश्चात श्रेष्ठअता के आधार पर चयनित के लिये निर्णय देने वाले पीठासीन अधिकारी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाएगा। राजस्थान के समस्त राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी उनके द्वारा पारित निर्णय में से एक सर्वश्रेष्ठ निर्णय मय प्रमाणित प्रति के 5 जून तक राजस्व मंडल के ईमेल आईडी bor-rj@nic.in अथवा डाक के माध्यम से निबंधक, राजस्व मंडल, अजमेर को भिजवायेंगे। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त निर्णय को मूल्यांकन में शामिल नहीं किया जाएगा। पीठासीन अधिकारियों से प्राप्त निर्णयों के मूल्यांकन के पश्चात राज्य, संभाग एवं जिला स्तर से एक एक पीठासीन अधिकारी को सम्मानित किया जाएगा जिसमें राज्य स्तर पर एक - संभागीय आयुक्त, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त एवं राजस्व अपील अधिकारी को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार संभाग स्तर पर एक-एक जिला कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर तथा जिला स्तर पर एक-एक उपखंड अधिकारी एवं सहायक कलेक्टर को सम्मानित किया जाएगा। राजस्व मंडल के सभी अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों से इस मूल्यांकन एवं चयन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की गई है, जिससे उत्कृष्ट गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत निर्णय लेखन प्रवृत्ति को प्रोत्साहित किया जा सके। ऐसे श्रेष्ठ निर्णयों को भविष्य में राजस्व मंडल की राविरा पुस्तिका में भी प्रकाशित किया जाएगा।

प्राप्त निर्णयों के मूल्यांकन हेतु समिति गठित राजस्व मंडल को अधीनस्थ न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों की ओर से भेजे जाने वाले सर्वश्रेष्ठ निर्णय के मूल्यांकन के आधार पर राज्य, संभाग एवं जिला स्तर पर अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए एक समिति भी गठित की गई है।

न्युवोको विस्टास ने वित्तवर्ष में 147 करोड़ रुपए का लाभ कमाया

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की अग्रणी निर्माण सामग्री निर्माता कंपनी ने 31 मार्च को समाप्त वित्तवर्ष में बिक्री और लाभ में बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनी ने समाप्त वित्तवर्ष के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 25 एमएमटीपीए की संयुक्त स्थापित क्षमता के साथ, न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत में पांचवां सबसे बड़ा सीमेंट समूह है और पूर्वी भारत में प्रमुख सीमेंट निर्माता कंपनियों में से एक है। वित्तवर्ष में कंपनी की कंसोलिडेटेड सीमेंट बिक्री की मात्रा 18.8 एमएमटी थी। कंपनी संचालन से कंसोलिडेटेड आय इसी अवधि के दौरान 10,733 करोड़ रुपये दर्ज की गई। सालाना आधार पर कंपनी का कंसोलिडेटेड एबिटिडा 35 प्रतिशत बढ़कर 1,657 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा, कंपनी ने शुद्ध ऋण 384 करोड़ रुपये कम करने में भी सफलता हासिल की है। बीते साल के मुकाबले कंपनी ने अपने शुद्ध ऋण में 384 करोड़ रुपये की कमी कर उसे 4,030 करोड़ रुपये पर लाने में सफलता हासिल की है, जिसके परिणामस्वरूप नेट डेट, एबिटिडा 2.4 गुणा रह गया है। इस वर्ष हरियाणा सीमेंट प्लांट में 1.2 एमएमटीपीए ग्राइंडिंग यूनिट की सफल शुरूआत हुई, जो कंपनी के क्षमता विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस नए यूनिट के चालू होने से कंपनी की कुल क्षमता में उत्तर की हिस्सेदारी को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 24 प्रतिशत कर दिया है और इस क्षेत्र में हमारी मौजूदगी को और मजबूत किया जाएगा। कंपनी ने रिस्दा और निंबोल प्लांट्स में डीबॉटलनेकिंग परियोजनाएं पूरी कीं, जिसके परिणामस्वरूप क्लिंकर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कंपनी प्रीमियमाइजेशन में अपनी रणनीतिक अनिवार्यता के प्रति समर्पित है और उसने पश्चिम बंगाल और झारखंड के बाजारों में अपने प्रीमियम उत्पादों ड्यूरागार्ड एफ2एफ और कंक्रीटो यूनो का विस्तार किया है। कंक्रीटो यूनो की बेहतरीन वाटर-रिपीलिंग प्रॉपर्टीज और डम्प लॉक फॉर्मूला निर्माण उद्योग की लगातार बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं। कंपनी ने अपने "प्रोटेक्ट आवर प्लैनेट" एजेंडे के तहत सस्टेनेबिलिटी प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिसमें कार्बन उत्सर्जन में 2 प्रतिशत सालाना से 454 किलोग्राम कार्बन-डाइ-ऑक्साइड प्रति टन सीमेंटटियस मैटीरियल्स1 की कमी की गई है, जो कम कार्बन उत्सर्जन में इंडस्ट्री लीडर्स में हमारी स्थिति को बेहतर करता है।

बांसवाड़ा में ढाई करोड़ की लागत से बनेगा विशाल पीताम्बरा शक्तिपीठ

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बांसवाड़ा। गायत्री मण्डल की ओर से श्री पीताम्बरा आश्रम परिसर में 3 हजार 500 वर्ग फीट में ढाई करोड़ रुपए की लागत से विशाल एवं भव्य पीताम्बरा (बगलामुखी) शक्तिपीठ निर्माण किए जाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए गुरुवार को श्री हनुमत्पीठ साधना एवं प्रशिक्षण केन्द्र में गायत्री मण्डल के प्रमुख पदाधिकारियों, आश्रम प्रबन्धकों एवं वास्तुविदों की बैठक में व्यापक विचार विमर्श कर रूपरेखा बनाई गई।

राजस्थान भर में अपनी तरह का पहला बगलामुखी मन्दिर एवं साधना केन्द्र लेगा मूर्त रूप

गायत्री मण्डल के मुख्य संरक्षक, पूर्व आयुक्त दिलीप गुप्ता की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में गायत्री मण्डल की चार दशकों से चले आ रहे पीताम्बरा शक्ति पीठ के संकल्प को पूर्ण करने की दिशा में गहन चर्चा में शक्तिपीठ के स्वरूप, निर्माण के विभिन्न आयामों तथा स्थल चयन आदि से संबंधित विषयों पर भूमि के मानचित्रों को केन्द्र में रखकर विचार-विमर्श कर इस योजना को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में जाने-माने वास्तु विशेषज्ञ अरविन्द मालवीय, वास्तु परिषद के संयोजक चन्द्रशेखर जोशी, विशेषज्ञ अभियन्ता अनन्त गुप्ता, गायत्री मण्डल के उपाध्यक्ष मनोहर जी. जोशी, सचिव विनोद शुक्ला, सह सचिव सुभाष भट्ट, पीताम्बरा परिषद के सह संयोजक पं. मधुसूदन व्यास, आश्रम के कार्यक्रम समन्वयक पं. मनोज नरहरि भट्ट, रमेश आर. भट्ट, अजय अधिकारी, अनिल पण्ड्या आदि ने विचार व्यक्त किए।

सिरोही में जैम आइसक्रीम फैक्ट्री व स्वरूपगंज में महादेव आइसक्रीम फैक्ट्री पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दी दबिश भरे सेम्पल

पोम ऑयल व सैकरीन से तैयार हो रही कुल्फी, आइसक्रीम!

महादेव आइसक्रीम फैक्ट्री स्वरूपगंज से हर दिन दर्जनों पेटी आइसक्रीम व कुल्फी का माल हो रहा है तैयार..!

» तुषार पुरोहित
jagrukjanta.net

» जागरूक जनता @ सिरोही। जिले में आइसक्रीम वह कुल्फी बनाने का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुल्फी व आइसक्रीम में जानलेवा एसएस यानी सैकरीन मिलाकर आइसक्रीम व कुल्फी बनाई जा रहीं है। जो मानव जीवन के लिए जानलेवा है। सैकरीन का उपयोग करने का एक नुकसान यह है कि कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि बड़ी मात्रा में सैकरीन आपके आंत में बैक्टीरिया के संतुलन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। आंतों में माइक्रोबियल परिवर्तन से टाइप 2 मधुमेह, मोटापा और - दुर्लभ मामलों में - कैंसर जैसी बीमारी फैलने की प्रबल संभावना बनी रहती है। ऐसे में अब सोचनीय यह बाहरी कुल्फी व आइसक्रीम खाना कितना घातक सिद्ध हो सकता है। फिर भी जनजागृति के अभाव में लोग बड़े शौक से खाते है। जो कई गंभीर बीमारियों का शिकार भी दिनों दिन हो रहें है।

दबिश दी, लिए सेम्पल

खाद्य निरीक्षक दिलीप सिंह यादव मय टीम ने बीते दिनों स्वरूपगंज कस्बा स्थित महादेव आइसक्रीम फैक्ट्री में दबिश देकर आइसक्रीम के सेम्पल लिये है। सेम्पल की अग्रिम जांच के लिये लिये गये नमूनों को प्रयोगशाला में भिजवाया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। लंबे समय से क्षेत्र में यह कारोबार चल रहा है उसके बावजूद भी प्रशासन द्वारा ना तो समय पर जांच की जाती है और ना ही मिलावट को रोकने को लेकर कोई उचित कदम उठाए जाते है।

जिम्मेदारों से जवाब मांगते यह सवाल

क्या महादेव आइसक्रीम फैक्ट्री स्वरूपगंज द्वारा बनाई जा रही आइसक्रीम व कुल्फी गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री से बनाये जा रहें है ..? या फिर गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री से बन रही है..? इसकी जांच पड़ताल कौन करेगा.? क्या सिरोही खाद्य विभाग की टीम के खाद्य निरीक्षक ईमानदारी से जांच पड़ताल करके दूध का दूध व पानी का पानी कर पाएंगे या फिर जांच या सैंपलिंग के नाम पर महज खानापूर्ति होगी यह भी बड़ा सोचनीय प्रश्न है..? आखिर लंबे समय से चल रही इस फैक्ट्री पर जिम्मेदारों की मेहरबानी भी कई सवाल उठा रही है.? वही संचालित फैक्ट्री कई नियमों को ताक पर रखकर चल रही है उसकी जांच पड़ताल कौन करेगा..? कई सेम्पलिंग के नाम पर खानापूर्ति तो नहीं हो रहीं है फिर इसकी जांच पड़ताल कब होंगी ..? यदि सेम्पलिंग के नाम पर खानापूर्ति की जा रहीं है तो इसका जिम्मेदार फिर कौन..? क्या यह फैक्ट्री तय मापदंड के अनुरूप चल रहीं है..? जिस जगह पर यह फैक्ट्री चल रहीं क्या उस भूमि का व्यवसायिक उपयोग के लिये कन्वर्ट है या फिर नहीं यह भी जांच का विषय है। यदि नहीं तो फिर इस फैक्ट्री को अभीतक सील क्यों नहीं किया गया.?

हर दिन दर्जनों पेटी आइसक्रीम व कुल्फी तैयार

महादेव आइसक्रीम फैक्ट्री स्वरूपगंज व अन्य फैक्ट्री से हर दिन सैकड़ो की संख्या में आइसक्रीम व कुल्फी बनाकर पेटीयां भर के आदिवासी अंचल सहित दर्जनों गांवो और मेलो में भेजी जा रहीं है। उसके बावजूद भी प्रशासन की यह उदासीनता गंभीर सवालों के दायरे में हैं। बनाये जा रहें आइसक्रीम व कुल्फी तय मापदंड पर कितनी खरी है इसकी जांच पड़ताल समय समय पर न होना जिम्मेदारो की कार्यशैली व भूमिका पर गंभीर सवाल खडे करता है।

हार्ट अटैक का खतरा!

नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया की कुल्फी व आइसक्रीम में मिठास व अलग अलग फ्लैवर के लिए जमकर सैकरीन का प्रयोग किया जा रहा है। साथ ही पोम ऑयल के प्रयोग से कुल्फी व आइसक्रीम तैयार हो रहें है। पामोलीन ऑयल के अंदर 50% सैचुरेटेड फैट होता है। इसकी वजह से एलडीएल कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड लेवल बढ़ जाता है। अधिकतर शोध में इन दोनों चीजों को हार्ट अटैक और स्ट्रोक का मुख्य कारण बताया गया है। ऐसे में आप सहज अनुमान लगा दीजिए इन सबसे बनी कुल्फी व आइसक्रीम खाना स्वास्थ्य के लिये कितना घातक सिद्ध हो सकता है।

महादेव आइसक्रीम फैक्ट्री स्वरूपगंज और जैम आइसक्रीम फैक्ट्री सिरोही व भरकादेवी आइसक्रीम गोयली चौराहे से आइसक्रीम के सेम्पल लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला में भिजवा दिये है। सेम्पल की रिपोर्ट आने पर अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।
"**दिलीप सिंह यादव,** फूड इंस्पेक्टर सिरोही"।

बिरला कॉर्प ने मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ में 127% की बढ़ोतरी दर्ज की

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में अपनी मजबूत ग्रोथ को जारी रखते हुए मार्च तिमाही में बिक्री और शुद्ध लाभ में अच्छी खासी बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी ने मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ में 127 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। वित्तवर्ष के अंत में कंपनी ने सभी पैमानों पर सफलता हासिल की है। वहीं रिकॉर्ड सीमेंट बिक्री के साथ ही कंपनी के ओवरऑल प्रदर्शन को भी बेहतर किया है। यह सभी सफलताएं बाजार में असामान्य रूप से कमजोर हालात के बावजूद हासिल की गई हैं।

मुकुटबन यूनिट में लगातार वृद्धि के बाद, कंपनी के सीमेंट डिवीजन ने मार्च तिमाही के लिए 97 प्रतिशत की क्षमता उपयोग हासिल किया जो एक और बड़ी उपलब्धि है। मार्च तिमाही के लिए कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ, 193 करोड़ रुपये, साल-दर-साल 127.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, क्योंकि बिजली और ईंधन की लागत मध्यम बनी हुई है। तिमाही के लिए कंसोलिडेटेड आय 2,682 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 6.8 प्रतिशत बढ़ गई, जबकि मार्च तिमाही में सीमेंट से प्राप्त होने वाली आय तीव्र दबाव में आ गई और साल-दर-साल 1.6 प्रतिशत गिरकर 5,178 रुपये प्रति टन रह गई। कंपनी चेयरमैन हर्ष वर्धन लोढ़ा ने कहा कि "वित्त वर्ष में बिरला कॉर्पोरेशन का प्रदर्शन संचालन के सभी क्षेत्रों में चौतरफा सुधार का परिणाम है।

कंपनी द्वारा दी गई गाइडेंस से पहले, कंपनी के फंक्शनल वर्टिकल्स में क्षमता निर्माण में लगातार निवेश किया गया और इससे मुकुटबन यूनिट का काम तेजी से हुआ और वहां पर अच्छे परिणाम मिले।

कुमावत समाज का प्रतिभा एवं भामाशाह सम्मान समारोह सितम्बर में

» जागरूक जनता @ चित्तौड़गढ़। श्री कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान के तत्वावधान में सितम्बर माह में शिक्षक दिवस पर समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं एवं भामाशाहों का जिला स्तरीय सम्मान समारोह शिक्षक दिवस पर आयोजित किया जाएगा। राज कुमार बेरा ने रविवार को स्थानीय गांधीनगर स्थित निर्माणाधीन श्री चारभुजा कुमावत समाज छात्रावास परिसर में सम्पन्न बैठक में बताया कि आगामी सितम्बर माह में शिक्षक दिवस पर समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं भामाशाहों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज के अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने जिन्होंने बोर्ड परीक्षा, महाविद्यालय स्तर की परीक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने, डिग्री-डिप्लोमा एवं विशेष योग्यता हासिल करने वालों को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

लोकसभा आम चुनाव-2024

बाड़मेर लोस क्षेत्र के दुधवा खुर्द बूथ पर आज पुनर्मतदान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने लोकसभा आम चुनाव-2024 के दौरान राजस्थान के बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में दुधवा खुर्द गाँव में एक पोलिंग बूथ पर पुनर्मतदान के लिए निर्देश जारी किए हैं। इस लोकसभा क्षेत्र में दूसरे चरण के दौरान 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि चोहटन विस क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 50, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दुधवा खुर्द बूथ पर दोबारा मतदान 8 मई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। गुप्ता ने कहा कि निर्वाचन विभाग ने आयोग के निर्देशानुसार पुनर्मतदान की सभी तैयारियां कर ली हैं। मतदान केन्द्र पर वेबकास्टिंग की जाएगी। गुप्ता ने बताया कि मतदान दिवस पर इस बूथ पर मत की गोपनीयता भंग होने की शिकायत प्राप्त होने के बाद निर्वाचन विभाग राजस्थान द्वारा भारत निर्वाचन आयोग को इस बूथ पर पुनर्मतदान हेतु प्रस्ताव भेजा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चोहटन के इस बूथ पर 26 अप्रैल को मतदान कराने वाले मतदान दल के 4 सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है।

उद्योगपति व पीरामल ग्रुप के चेयरमैन ने सरपंच से जाना पंचायत विकास का हाल

राजस्थान से उन्दरा ग्राम पंचायत के एक मात्र सरपंच का चयन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही @ महेन्द्र गर्ग। पिंडवाड़ा स्मीपवर्ती उन्दरा ग्राम पंचायत के मुखिया महेंद्र कुमार मेघवाल के द्वारा अपने पंचायत में लगातार स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एनीमिया के ऊपर कार्य किया जा रहा है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम में सहयोग कर रही संस्था पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि के द्वारा इनके कार्यों को राज्य एवं देश स्तर पर प्रस्तुत किया गया। इनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी से प्रभावित होकर मुंबई में आयोजित कार्यशाला में पीरामल ग्रुप के चेयरमैन अजय पीरामल ने सरपंच से पंचायत में चल रहे कार्यों के बारे में समझा। सरपंच महेंद्र कुमार मेघवाल ने बताया कि यह पंचायत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है कि आज पंचायत में चल रहे कार्यों के बारे में जानकारी देने का मौका मिला। मुलाकात के दौरान हमने कोविड टीकाकरण के दौरान किये गए कार्य, पंचायत क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क टॉवर लगवाया, विद्यालयों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम, विद्यालय में टीनशेड का निर्माण, ब्लॉक फिटिंग, शौचालय व्यवस्था, 4 राजस्व गांव हर घर नल लगवाने का काम पूरा करवाया गाव उंद्रा आगनवाड़ी नया भवन बनवाया पंचायत क्षेत्र में वृक्षारोपण का कार्य, वर्षा जल के संग्रहण हेतु नाड़ी का निर्माण तथा जीर्णोद्धार, पंचायत क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था का कार्य, सड़क डामरीकरण का जीर्णोद्धार आदि प्रमुख कार्यों से अवगत कराया गया। पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधि मुकेश कुमार शर्मा द्वारा बताया गया कि पंचायत स्तर पर गठित फोरम को सशक्त कर अंतर्विभागीय समन्वय बैठाकर योजनाओं की पहुँच लोगों तक सुनिश्चित करना है ताकि लोगों के जीवन स्तर में बदलाव लाया जा सके।

सब्जियों के वर्तमान में औषधीय महत्व एवं संभावना विषयक कार्यशाला आयोजित

सब्जियों से करें फोलिक एसिड की पूर्ति-डॉ सिंह

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय जोबनेर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया कि वर्तमान में लोग पौष्टिक भोजन के प्रति काफी सजक हो गए है व पोषण की दृष्टि से संतुलित भोजन खाना ही पसंद करते हैं जिसमे फल व सब्जियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

बागवानी फसलों में पौष्टिक औषधीय पदार्थ पर्याप्त मात्रा में पाए जाते है जो विभिन्न बीमारियों के उपचार में कारगर है, साथ ही बताया कि उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स वैल्यू युक्त फल व सब्जियां खाने से मानव का स्वस्थ ठीक रहता है। मुख्य वक्ता डॉ जगदीश सिंह, पूर्व निदेशक, भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी उत्तर प्रदेश ने" सब्जियों के वर्तमान में औषधीय महत्व एवं संभावनाओं" के विषय पर बात करते हुए कहा कि न्यूट्राकेमिकल वो फाइटोकेमिकल्स हैं जो पोषण प्रदान करते हैं, उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रति व्यक्ति 350 ग्राम सब्जियां व 150 ग्राम फल प्रति व्यक्ति प्रति दिन की आवश्यक्ता होती है, डॉ जगदीश सिंह ने केरेटिनॉइडस व जेंथोफिल नामक महत्वपूर्ण अवयवों के बारे में विस्तृत रूप से बताया। साथ ही उन्होंने फोलिक एसिड - विटामिन B12, विटामिन B9 की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि फोलिक एसिड मानव शरीर में नही होता अतः इसकी पूर्ति भोजन से पूरी करनी पड़ती है जिनमे ब्रेसिका कुल की सब्जियां महत्वपूर्ण स्त्रोत है। न्यूट्राकेमिकल के दूसरे सबसे बड़े समूह में पादप पॉलीफिनोल्स आते है जिनमे 4000 रासायनिक घटक सम्मिलित हैं। डॉ जगदीश ने बताया कि न्यूट्राकेमिकल्स विभिन्न प्रकार की बीमारियों जैसे मधुमेह के लिए करेला, स्तन कैंसर के लिए क्रूसीफेरी कुल की सब्जियां, रेशेदार फल व सब्जियां पाचन संबंधित रोगों के लिए प्रभावी है, साथ ही उन्होंने फ्री रेडिकल व एंटीऑक्सीडेंटस की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला, एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखते हैं और कोशिकाओं को डैमेज होने से बचाते हैं। वे अपने कैंसर रोधी गुणों के कारण कैंसर जैसी कुछ जानलेवा बीमारियों को रोकने में भी मदद करते हैं। सब्जियों और फलों में प्राकृतिक रूप से एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होता है।

सह अधिष्ठाता डॉ शैलेश मार्कर ने महाविद्यालय में चल रहे विभिन्न वैल्यू एडिशन से संबंधित शोध कार्यों की जानकारी दी व कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम सचिव डॉ बी एस बधाला ने बताया कि कार्यक्रम में 862 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

घर मंगवाये जागरूक जनता हमें कहें.....

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
विश्वसनीय हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

जागरूक जनता
jagrukjanta.net
जागरूक WORLD & दुनिया
जयपुर, बुधवार, 8 मई - 14 मई 2024

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26

जागरूक खबरें

प्रत्येक गांव व कस्बे में पशु-पक्षियों के लिए चारा दाना-पानी की व्यवस्था की जाये

जयपुर @ जागरूक जनता। पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त रवि जैन ने मुख्य सचिव के निर्देशानुसार आदेश जारी कर राजस्थान की सभी जिला परिषदों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि भीषण गर्मी में प्रत्येक गांव व कस्बे में पशु–पक्षियों के लिए चारा दाना-पानी की व्यवस्था की जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि राजकीय कार्यालयों में पक्षियों के लिए पेड़ों पर परिंडे लगवाने के साथ ही उनमें प्रतिदिन पानी की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। पेड़ों पर दाने के लिए पात्र रखवाने की भी व्यवस्था की जाए। इन कार्यों के लिए स्थानीय दानदाता, भामाशाह, सामाजिक संस्थाओं एवं ग्रामीणों से भी सहयोग लिया जा सकता है। इन परिंडों के फोटोग्राफ भी भिजवाये जाए। उन्होंने गांव में पशुओं के लिए स्थान-स्थान पर खेलिया रखवाने एवं उनमें पानी भरने की व्यवस्था भी करने के लिए निर्देशित किया है ताकि भीषण गर्मी में पशु प्यासे नहीं रहें।

राज्यपाल ने किया नवनिर्मित संसद भवन का अवलोकन: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भी की मुलाकात

भारतीय शिल्प-स्थापत्य और संवैधानिक दृष्टि से नवीन संसद भवन अद्वितीय-मिश्र

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र मंगलवार को लोकसभा पहुंचे। वहां उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों ने संविधान संस्कृति और जीवन मूल्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बाद में उन्होंने नवीन संसद भवन भी देखा।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला ने राज्यपाल श्री मिश्र को लोकसभा प्रकाशन के अंतर्गत प्रकाशित 'भारत का संविधान' की प्रति भेंट की। मिश्र ने नवनिर्मित संसद भवन का अवलोकन करते हुए कहा कि भारतीय शिल्प–स्थापत्य और संवैधानिक दृष्टि से नवीन संसद भवन अद्वितीय है। उन्होंने नवीन संसद भवन में निर्मित प्राचीन भारतीय इतिहास, कला और संस्कृति से संबद्ध गैलरी, संगीत की भारतीय परम्परा से संबद्ध दीर्घा, ऐतिहासिक, पौराणिक कथानकों के आलोक में निर्मित संसद भवन की कला वीथी को अद्भुत बताया। उन्होंने देश के सर्वोच्च लोकसभा और राज्यसभा सदनों में सदस्यों के बैठने की व्यवस्था के साथ संविधान से जुड़ी मौलिक दृष्टि संबंधित

गैलरी का भी अवलोकन किया।

राज्यपाल ने नवीन संसद भवन निर्माण में हरित तकनीक के उपयोग के अंतर्गत जल संरक्षण संरचनाओं, नवनिर्मित नवीन संसद भवन के संविधान सभागार, संसद की डिजिटल कार्यप्रणाली, संसद भवन की कलात्मक 'शिल्प' और 'स्थापत्य' गैलरी आदि को भी देखा। उन्होंने नवीन संसद भवन की भव्यता, वहां स्थापित ऐतिहासिक और धार्मिक सेंगोल आदि को भारतीय संस्कृति के साथ संविधान से जुड़ी दृष्टि के रूप में विशिष्ट बताया।

9वीं, 11वीं का रिजल्ट जारी

800 से ज्यादा छात्रों को फिर देनी होगी परीक्षा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में शिक्षा विभाग ने 9वीं और 11वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। इस बार 11वीं में प्रदेशभर में 5 लाख से 8 हज़ार, 5 सौ 37 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जिसमें कुल 4 लाख, 80 हज़ार, 6 सौ, 47 छात्र पास हुए। वहीं, 9वीं और 11वीं के 800 से ज्यादा छात्रों को अलग-अलग कारणों से फिर से परीक्षा देनी होगी। एग्जाम में सप्लीमेंट्री या कम्पार्टमेन्ट लाने वाले स्टूडेन्ट्स की पूरक परीक्षाएं 13 मई से 15 मई के बीच आयोजित की जाएगी। पहले ये परीक्षाएं 8 मई से शुरू होने वाली थीं। लेकिन बाद में शिक्षा विभाग ने संशोधित जारी किया और रिसेट कर पूरक परीक्षाओं की तारीख़ 13 से 15 मई कर दी. 15 मई को पूरक एग्जाम के ख़त्म होते ही उसके अगले दिन यानी 16 मई को रिज़ल्ट घोषित कर दिया जाएगा. उसके बाद 17 मई से गर्मियों की छुट्टियां शुरू हो जाएंगी।

हज 14 जून से, 30 लाख लोग पहुंचेंगे अरब

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। इस बार 14 जून से हज शुरू होगा। हज करने के लिए भारी तादाद में हज यात्री मक्का मदीना पहुंचेंगे। सऊदी अरब सरकार ने कहा है कि वह रिकॉर्ड संख्या में हज यात्रियों का स्वागत करने के लिए तैयार है। सऊदी अरब की सरकार की ओर से लाखों हज यात्रियों के लिए माकूल इंतजाम किए गए हैं। हज सीज़न के दौरान, सरकार के साथ-साथ निजी क्षेत्र भी गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने के लिए तैयार है।

बड़े पैमाने पर बंदोबस्त : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हज के दौरान मक्का और उसके आस-पास के इलाकों में हज यात्रियों को अधिकतम सुविधाएं देने और उन्हें अनावश्यक समस्याओं से बचाने के लिए बड़े पैमाने पर बंदोबस्त किए गए हैं।

मुख्य सचिव ने जयपुर शहर की ट्रैफिक व्यवस्था के सम्बन्ध में ली बैठक

सड़कों पर निर्बाध व सुचारू ट्रैफिक संचालन के लिए विशेष अभियान चलाएं-मुख्य सचिव

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पन्त ने कहा कि जयपुर शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए सभी सम्बंधित विभागों को समन्वित होकर तेजी से कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि जयपुर की सड़कों पर निर्बाध व सुचारू ट्रैफिक संचालन के लिए विशेष अभियान चलाकर आमजन को जल्द राहत प्रदान करें। पन्त शासन सचिवालय में जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था के सम्बन्ध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहर में अधिकाधिक नई सार्वजनिक पार्किंग के निर्माण के लिए कार्ययोजना बनाएं और मौजूदा सार्वजनिक पार्किंग स्थानों की पूरी उपयोगिता सुनिश्चित करें। उन्होंने मैरिज गार्डन, होटल्स, रेस्टोरेन्ट आदि की सुदृढ़ पार्किंग व्यवस्था हेतु कानूनी कार्रवाई अमल में लाने के लिए भी निर्देश दिये। पंत ने कहा कि यातायात नियमों के उल्लंघन पर नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही करें तथा ई-चालान व्यवस्था को नई तकनीक के माध्यम से और मजबूत करें। उन्होंने पुलिस, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग और नगरीय निकायों को परियोजनाओं के निर्माण में आपसी सुझावों को सम्मिलित करते हुए समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।

पदयात्रियों एवं साइकिल चालकों के लिए पथ निर्माण

पन्त ने निर्देश दिए कि पैदल यात्रियों एवं साइकिल चालकों के लिए व्यवस्थित पथ निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना बनाई जानी चाहिये। इससे आमजन इको फ्रेंडली यातायात के लिए प्रोत्साहित होंगे साथ ही यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सकारात्मक प्रयास होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि हमें भविष्य की जरूरतों के अनुसार परियोजनाओं पर कार्य करने की आवश्यकता है जिससे भावी पीढ़ी को एक सुनियोजित स्मार्ट शहर में रहने का अवसर मिले। मुख्य सचिव ने ट्रैफिक पुलिस द्वारा वीआईपी व धार्मिक यात्राओं के दौरान गूगल मैप के सहयोग से दी जा रही रियल टाइम जानकारी के लिए उनकी सराहना की।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने शिमला में भाजपा के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कांग्रेस को सनातन विरोधी कहा...

कांग्रेस पीएम पद का उम्मीदवार घोषित कर दें तो चुनाव आज हो जाएगा खत्म

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

शिमला/जयपुर। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण का मतदान आज हो गया है। अब चार और चरणों की मतदान बाकी है। जिसके बाद 4 जून को वोटों की गिनती के साथ अगले 5 साल के लिए देश को नई सरकार मिलेगी। लोकसभा चुनाव के तीन चरणों को वोटिंग में कई राज्यों में मतदान संपन्न हो गया है। जहां के नेता अब दूसरे राज्यों में जाकर अपनी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। राजस्थान में भी लोकसभा चुनाव का मतदान संपन्न हो चुका है। प्रदेश के नेता अब दूसरे राज्यों में प्रचार कर रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी मंगलवार को हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में चुनाव प्रचार करने पहुंची। जहां उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला।

कांग्रेस सनातन विरोधी

दिया कुमारी ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस सनातन की विरोधी है और यही कारण है कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यऱ म का निमंत्रण ठुकरा दिया। ऐसी पार्टी जनता के वोट के काबिल नही है। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अगर कांग्रेस आज अपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम बता दे तो विपक्षी गठबंधन के लिए चुनाव, आज ही ख़त्म हो जायेगा।

डबल इंजन की सरकार में हो रहे काम, हिमाचल पिछड़ रहा

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में जब से डबल इंजन की सरकार आयी है तब से विकास के भरपूर काम हो रहे है पर हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने के बाद सारे काम ठप्प पड़े है। दिया कुमारी ने पिछले दस सालों में हुए विकास कार्यों का ज़िक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों, जवानों, महिलाओं, श्रमिकों, युवाओं, उद्योगपतियों के हितों का ध्यान रखा और देश ने विश्व स्तर पर पहचान बनाई है। राम मंदिर निर्माण, धारा 370, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, आईपीसी कानूनों में संशोधन जैसे ऐतिहासिक कार्य हुए और इन्फास्ट्रक्चर डवलपमेंट हुआ।

शिमला में पन्ना प्रमुखों के सम्मेलन को किया संबोधित

दरअसल राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी भाजपा के स्टार प्रचारकों में शामिल हैं। वो राजस्थान के बाहर भी भाजपा के लिए प्रचार कर रही हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के सिरमौर के दौरे पर रहीं। उन्होंने शिमला लोकसभा क्षेत्र के पन्ना प्रमुख सम्मेलन को संबोधित किया। शिमला से भाजपा उम्मीदवार सुरेश कुमार कश्यप के प्रचार करते हुए दिया कुमारी ने पन्ना प्रमखों को संकल्प दिया कि हर घर से एक एक वोट को बूथ तक पहुँचाने का कार्य मज़बूती से किया जायेगा।

"कॉन्स्टेबल ऑफ दी मंथ" का अवार्ड से सम्मानित हुए जवान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने अभिनव पहल की शुरूवात करते हुए पुलिस आयुक्तालय के सभी जिलों एवं यातायात में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पांच पुलिसकर्मियों को कॉन्स्टेबल, मुकेश, पुलिस थाना विधायकपुरी, कॉन्स्टेबल, कोमल सिंह, जिला विशेष टीम जयपुर (पश्चिम) , कॉन्स्टेबल, हरिओम, पुलिस थाना विधाधर नगर (उत्तर), कॉन्स्टेबल, भूपेंद्र सिंह, विशेष साइबर अनुसन्धान इकाई (पूर्व), कॉन्स्टेबल, विजय कुमार, यातायात पुलिस को "कॉन्स्टेबल ऑफ दी मंथ" का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। बीजू जॉर्ज जोसफ जी के अनुसार पुलिस के ध्येय वाक्य 'आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय' की भावना जनता में साकार हो इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत है। इस खास पहल से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढ़ोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मी बेहतर व सराहनीय कार्य करने के प्रेरित होंगे।

पुनर्मतदान वाले बूथ पर 1294 मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में दूधवा खुर्द गाँव में पोलिंग बूथ संख्या 50 पर बुधवार को होने वाले पुनर्मतदान के लिए मतदान दल मंगलवार को बाड़मेर के रामूबाई राजकीय माध्यमिक विद्यालय से रवाना हो गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने बताया कि चौहटन विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 50 जो राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दुधवा खुर्द स्थित बूथ में स्थित है, में दोबारा मतदान बुधवार, 8 मई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा होगा। गुप्ता ने बताया कि रवानगी से पूर्व मतदान दलों व सेक्टर ऑफिसर को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के बाद मतदान सामग्री मतदान दल को सुपुर्द की गई। प्रशिक्षण में पीठासीन अधिकारी, पोलिंग ऑफिसर-1,2 एवं 3 को प्रशिक्षित किया गया। इस पुनर्मतदान के लिए कार्यशील मतदान दल के साथ-साथ दो आरक्षित दल भी प्रशिक्षण उपरांत रवाना हुए। पुनर्मतदान वाले बूथ पर 1294 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

उन्होंने बताया कि मतदान के लिए आवश्यक समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। स्थानीय बीएलओ द्वारा वोटर्स पर्ची वितरित की गई है। स्वीप दल द्वारा मतदाताओं की मनुहार कर पुनर्मतदान के लिए जागरूक किया गया है। सम्बन्धित क्षेत्रों में आचार संहिता के प्रावधानों की पालना की जाएगी, साथ ही धारा 144 लागू की गई है। मतदान तिथि बुधवार 8 मई को मतदान बूथ पर पंजीकृत समस्त कार्यरत एवं कामगार मतदाताओं के लिए संवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया जाएगा। इस दिन बूथ स्थल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दुधवा खुर्द में सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

भ्रामक विज्ञापन मामला

सेलिब्रिटी और इन्फ्लुएंसर भी भ्रामक विज्ञापन के लिए समान रूप से जिम्मेदार-सुप्रीम कोर्ट

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापन मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख़ टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि सेलिब्रेटी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी अगर किसी भ्रामक उत्पाद या सेवा का समर्थन करते हैं तो इसके लिए वो भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। साथ ही विज्ञापनदाता या विज्ञापन एजेंसियां या एंडोर्सर झूठे और भ्रामक विज्ञापन जारी करने के लिए समान रूप से जिम्मेदार हैं। सुप्रीम कोर्ट ने IMA अध्यक्ष के विवादित बयान पर नोटिस भी जारी किया और 14 मई तक जवाब मांगा है। दरअसल आचार्य बालकृष्ण ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कहा कि IMA के अध्यक्ष अशोकन के जानबूझकर दिए गए बयान तात्कालिक कार्यवाही में सीधा हस्तक्षेप हैं और न्याय की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं। ये बयान निंदनीय प्रकृति के हैं और जनता की नज़र में इस माननीय न्यायालय की गरिमा और कानून की महिमा को कम करने का एक स्पष्ट प्रयास है। बालकृष्ण ने अशोकन के खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई की मांग की है।

गौरतलब है कि IMA के अध्यक्ष अशोकन ने कहा था कि ये बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने IMA और प्राइवेट डॉक्टरों की प्रैक्टिस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अस्पष्ट बयानों ने प्राइवेट डॉक्टरों का मनोबल कम किया है। हमें ऐसा लगता है कि उन्हें देखना चाहिए था कि उनके सामने क्या जानकारी रखी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ब्रॉडकास्टर्स को कोई भी विज्ञापन देने से पहले एक स्व-घोषणा पत्र दाखिल करना चाहिए, जिसमें ये आश्वासन दिया जाए कि उसके प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने वाला विज्ञापन केबल नेटवर्क नियमों, विज्ञापन कोड आदि का अनुपालन करता है। एक उपाय के रूप में, हम ये निर्देश देना उचित समझते हैं कि किसी विज्ञापन को अनुमति देने से पहले एक स्व-घोषणा प्राप्त की जाए। 1994 के केबल टीवी नेटवर्क नियमों, विज्ञापन संहिता आदि की तर्ज पर विज्ञापन के लिए स्व-घोषणा प्राप्त की जानी चाहिए।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 180, जे.पी. कॉलोनी, मैन आपीए रोड, 16 नं. बस स्टैण्ड, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039

जागरूक खबरें

वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा 13 से

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत जारी अतिरिक्त विचारित सूचियों में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच 13 मई 17 मई 2024 तक निर्धारित कार्यक्रमानुसार की जाएगी। इसका विस्तृत कार्यक्रम आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि आयोग द्वारा 5 फरवरी से 9 फरवरी तक आयोजित काउंसलिंग में अधिक संख्या में अभ्यर्थी अनुपस्थित रहने के कारण उक्त परीक्षा के अन्तर्गत विभिन्न 6 विषयों की अतिरिक्त विचारित सूचियां दिनांक 22 अप्रेल से 25 अप्रेल 2024 तक जारी की गई है। सूचियों में सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच 13 मई से 17 मई, 2024 तक विषयवार निर्धारित कार्यक्रमानुसार की जाएगी। सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के लिए आयोग वेबसाइट से विस्तृत आवेदन-पत्र एवं आवश्यक दिशा-निर्देश डाउनलोड कर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) समस्त प्रविष्टियां पूर्ण कर संबंधित शैक्षणिक, प्रशैक्षणिक, जाति, मूल निवास एवं अन्य दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियां (एक प्रति में) संलग्न कर मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित दिनांक को आयोग कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा।

भैरूलाल शर्मा निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्त

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। ट्रांसपोर्ट नगर निर्माण समिति की वार्षिक बैठक आहुत की गई। जिसमें समिति के चुनाव कराने पर विचार किया गया। बैठक में समिति के दो तिहाई सदस्यों ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष का निर्विरोध चुनाव कराया जाना तय किया गया। निर्विरोध अध्यक्ष पद पर भैरूलाल शर्मा को चुना गया।

13-17 मई तक होगी वरिष्ठ अध्यापक संस्कृत शिक्षा प्रतियोगी परीक्षा-2022

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान में वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा) की पात्रता परीक्षा 2022, 13 मई से 17 मई 2024 के बीच होगी। यह परीक्षा राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित कराई जाएगी। परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम आयोग की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। आयोग के सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि काउंसलिंग में अधिक संख्या में अभ्यर्थी न आने के कारण परीक्षा के अन्तर्गत विभिन्न 6 विषयों की अतिरिक्त विचारित सूचियां 22 से 25 अप्रैल 2024 तक जारी की गई है। इन सूचियों में सम्मिलित 200 अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विषयवार निर्धारित कार्यक्रमानुसार की जाएगी।

जीआईटीबी 2024 का समापन: 10,000 से अधिक पूर्व निर्धारित बैठकें आयोजित की गईं

52 देशों के 242 एफटीओ हुए शामिल

भारत को ग्लोबल वेडिंग टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने पर रहा फोकस

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के 13वें संस्करण का मंगलवार को सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में ट्रैवल ट्रेड के बीच उत्साह के साथ समापन हुआ। इसमें 'बायर्स' और 'सेलर्स' दोनों नेटवर्किंग के अवसरों से संतुष्ट नजर आए। यह संस्करण भारत को 'ग्लोबल वेडिंग टूरिज्म डेस्टिनेशन' के रूप में बढ़ावा देने के लिए समर्पित था। इस मेगा इवेंट में 52 देशों के कुल 242 प्रमुख इनबाउंड फॉरेन टूर ऑपरेटर्स (एफटीओ) फॉरेन बायर्स के रूप में शामिल हुए।

तीन दिवसीय जीआईटीबी का आयोजन राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा किया गया। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर), इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए.) और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और क्षेत्रीय एसोसिशंस का सहयोग प्राप्त था।

मार्ट की सफलता के बारे में राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि जीआईटीबी सक्रिय 'बायर्स' और 'सेलर्स' को आकर्षित करने में बेहद सफल रहा है। दो दिनों के दौरान 10,000 से अधिक पूर्व-निर्धारित बी2बी बैठकें आयोजित की गई। मेजबान राज्य राजस्थान सहित 10 राज्यों की भागीदारी से पता चलता है कि मार्ट ने पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान बना ली है। मार्ट में भाग लेने के लिए 52 देशों से 242 एफटीओ आए। जीआईटीबी का यह संस्करण विशेष रूप से वेडिंग्स को बढ़ावा देने के लिए समर्पित था, जिसके परिणामस्वरूप नेटवर्किंग सार्थक रही। फिक्की टूरिज्म एंड कल्चरल कमेटी, चेयरमैन, दीपक देवा ने कहा कि ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाज़ार के इस संस्करण ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि यह मार्ट देश में पर्यटन के विकास को बढ़ावा देने का काम कर रहा है। इस वर्ष भी बायर्स (टूर ऑपरेटर) और सेलर्स (पर्यटन उत्पादों के मालिक) के बीच इंटरैक्टिव नेटवर्किंग देखी गई। ट्रैवल ट्रेड प्रोफेशनल्स ने मीटिंग्स में विचारों का आदान-प्रदान किया और नए व्यावसायिक अवसर तलाशे। फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) और होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर) के अध्यक्ष, कुलदीप सिंह चंदेला ने कहा कि जीआईटीबी जैसे आयोजनों से इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा मिलता है। इससे फुटफॉल में वृद्धि होती है। देश में हवाई, रेल और सड़क कनेक्टिविटी में काफी हद तक सुधार से भारत पर्यटन के क्षेत्र में बड़े स्तर पर विकास के लिए तैयार है। दो दिवसीय बी2बी इंटरैक्शन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है।इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के महासचिव, गज सिंह अलसीसर ने कहा कि जीआईटीबी 'स्टैंड-अलोन' होटलों के लिए एक उत्कृष्ट नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म रहा है, जहां फॉरेन बायर्स के साथ बातचीत और एक ही मंच पर सभी हितधारकों से मिला जा सकता है। चिन्हित बायर्स के साथ, जीआईटीबी की देश में आयोजित अन्य मार्टों की तुलना में खास पहचान है। यहां सेलर्स चुन सकते हैं कि वे किन पार्टियों से जुड़ने में रुचि रखते हैं और उसी के अनुसार अपनी बैठकें पूर्व-निर्धारित करते हैं। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) के प्रेसिडेंट, महेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मार्ट में आए बायर्स के लिए फैम (फैमिलियराइजेशन) टूर्स भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें कुल 95 टूर ऑपरेटर्स शामिल हो रहे हैं। इस टूर में तीन यात्रा कार्यक्रम शामिल हैं- जयपुर-बूंदी-उदयपुर-देवगढ़-जयपुर; जयपुर-सरिस्का-रणथंभौर-जयपुर और जयपुर-जोधपुर-जैसलमेर-बीकानेर-जयपुर। फैम टूर बुधवार (8 मई) को सीतापुरा में नोवेटेल कन्वेंशन सेंटर से सुबह 8.30 बजे शुरू होगा।

स्कूलों में मोबाइल होगा बैन

मंत्री बोले- स्कूलों में वातावरण सही करने का कर रहे हैं प्रयास

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सरकारी स्कूलों में टीचर्स का मोबाइल लाना अब बैन होगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि अब सरकारी शिक्षकों को स्कूल में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई शिक्षक गलती से मोबाइल लेकर आ जाता है तो उसे अपना मोबाइल प्रिंसिपल के पास जमा कराना होगा।

केवल प्रिंसिपल को ही स्कूल में मोबाइल लाने की अनुमति होगी। इमरजेंसी में प्रिंसिपल के पास फोन आएगा, वह शिक्षक को सूचना देगा। अगर किसी से बात करानी होगी तो प्रिंसिपल बात कराएगा। शिक्षक को किसी भी हाल में स्कूल में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं होगी।

इससे अभी तक स्टूडेंट की पढ़ाई का जो नुकसान हो रहा था, वो बचेगा। मंत्री दिलावर ने आगे कहा कि स्कूलों में वातावरण सही करने का प्रयास कर रहे हैं। अधिकतर स्कूलों के खेल के मैदान में अतिक्रमण है। सभी अतिक्रमण को हटाने का काम हमने अभियान के रूप में शुरू कर दिया है। साथ ही टीचर्स अब पूजा और नमाज के नाम पर स्कूल नहीं छोड़ेंगे। यदि उनको जाना है तो छुट्टी लेकर जाएं, रजिस्टर में एंट्री करके जाएं।

हर रोड परिंडा अभियान के साथ मनाया जन्मदिन

जयपुर @ जागरूक जनता। सन्तो के सानिध्य में युवा मोर्चा भाजपा महामंत्री मुकुल सिंह साँचोरा ने अपना जन्मदिन बेजुबान पक्षी मित्र हर रोज एक परिंडा अभियान लगा कर मनाया। रोज एक परिंडा पक्षी मित्र अभियान मंगल मुखी हनुमान मंदिर नया खेडा के महंत श्री रामानंद महाराज जी से मन्दिर परिसर में परिंडा लगा कर किया।साँचोरा ने बताया कि रोज एक परिंडा लगाया जाएगा और पक्षियों के मित्र बनकर उनकी देख रेख की जाएगी।साथ ही कही भी पेड़ो पर खाली परिंडे मिले उन्हें रोज भरा जाएगा।इस मुहिम में सभी पक्षी प्रेमियों को जोड़कर सेवा कार्य करेंगे।

बिना परीक्षा होगा स्पेशल BSTC में एडमिशन, शेड्यूल जारी

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

श्रीगंगानगर। शिक्षा के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए भारतीय पुनर्वास परिषद ने स्पेशल बीएसटीसी के आवेदन प्रक्रिया का शेड्यूल जारी कर दिया है। आवेदन प्रक्रिया 15 मई से शुरू होकर 14 जून तक चलेगी। इसके बाद 20 जून तक संस्थाओं को परिषद के पोर्टल पर दाखिले की सूचना अपडेट करनी होगी। गौरतलब है कि पिछले साल से आरसीआई विशेष शिक्षा के डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता परीक्षा का आयोजन नहीं कर रहा है बल्कि संस्थान के स्तर पर ही चार सदस्य और एक अध्यक्ष की कमेटी बनाकर आवेदकों में से अनुमोदन के बाद चयन किया जाएगा। गत वर्षों में कई राज्यों में सीटें खाली रहने की वजह से पुनर्वास परिषद की ओर से प्रवेश के तरीके में बदलाव किया है। इस साल दाखिले की दौड़ में दो लाख से ज्यादा विद्यार्थी संभावित हैं।

12वीं में 50 फीसदी अंक अनिवार्य

विशेष बीएसटीसी पाठ्यक्रम के लिए आवेदक को मान्यता प्राप्त संस्थान से 12वीं या उसके समकक्ष कक्षा 50 फीसदी अंक के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है जबकि बधिर उम्मीदवारों के लिए किसी मान्यता प्राप्त केंद्रीय, राज्य शिक्षा बोर्ड से न्यूनतम प्रतिशत अंकों में तथा डिप्लोमा में प्रवेश के लिए आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को 10 2 स्तर पर अंकों की विशेष छूट प्रदान की गई है।

इन दस्तावेजों की रहेगी जरूरत

- 10वीं-12 वीं की अंक तालिका और प्रमाण पत्र
- फोटो और हस्ताक्षर
- मूल निवास व जाति प्रमाणपत्र
- ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र
- दिव्यांगता प्रमाण पत्र

पांच लोगों के समिति करेगी चयन

- प्रशिक्षण संस्थान का संस्था प्रधान
- किसी नजदीकी सरकारी स्कूल का प्रधानाचार्य
- किसी अन्य आरसीआई की ओर से अनुमोदित
- प्रशिक्षण संस्थान के प्रमुख
- एससी-एसटी से संबंधित एक प्रतिनिधि
- दिव्यांगता का एक प्रतिनिधि।

दुनिया में मौतों का दूसरा कारण कैंसर

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में हैं। साल 2022 में दुनिया में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए थे, जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। भारत में सालाना बढ़ते कैंसर के मामलों के चलते 2040 तक इनकी संख्या में 57.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी होने की आशंका है।

गैर संचारी रोग यानी कि एनसीडीज के तहत आने वाले कैंसर को लेकर लैंसेट कमीशन की ओर से हालिया जारी नई रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में ब्रेस्ट कैंसर के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है और 2040 तक हर साल इससे 10 लाख महिलाओं की मौत होने का खतरा है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि 2020 तक पिछले 5 वर्षों में लगभग 78 लाख महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था, जबकि उसी साल इस बीमारी से करीब 6.85 लाख महिलाओं की मौत हो गई थी। रिपोर्ट कहती है कि दुनिया भर में औसतन हर 12 महिलाओं में से एक को 75 साल की उम्र से पहले ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा रहता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 2020 में दुनियाभर में ब्रेस्ट कैंसर के 23 लाख मामले सामने आए थे, जो 2040 तक बढ़कर 30 लाख से अधिक हो सकते हैं।

असल में कैंसर की बीमारी से दुनियाभर में होने वाली मौतें दूसरे स्थान पर हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में हैं। साल 2022 में दुनिया में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं, जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। इतना ही नहीं, भारत में सालाना बढ़ते कैंसर के मामलों के चलते 2040 तक इनकी संख्या में 57.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी होने की आशंका है। कैंसर से भारत में साल 2020 में 7.70 लाख, 2021 में 7.89 लाख और 2022 में 8.08 लाख रोगियों की मौत हुई है। देश में कैंसर के मामलों की कुल संख्या साल 2022 में 14.61 लाख रही। वहीं 2021 में यह 14.26 लाख और 2020 में 13.92 लाख रही। भारत के हर 10 में से 1 व्यक्ति पूरे जीवनकाल में कैंसर से जूझता है और 15 में एक की मृत्यु इस बीमारी से हो जाती है। भारत में हर साल करीब 15 लाख कैंसर से जुड़े मामले रिपोर्ट किए जाते हैं।

आखिर कैंसर क्या है? असल में शरीर में होने वाली असामान्य और खतरनाक स्थिति, जिसमें कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि होती है, उसे कैंसर कहते हैं। हमारे शरीर में कोशिकाओं का लगातार विभाजन होना एक सामान्य प्रक्रिया है, जिस पर शरीर का पूरा नियंत्रण रहता है, लेकिन जब किसी विशेष अंग की कोशिकाओं पर शरीर का नियंत्रण नहीं रहता है, तो वे असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर का रूप ले लेती हैं। इसे ही कैंसर कहा जाता है। ज्यादातर कैंसर ट्यूमर के रूप में होते हैं, लेकिन ब्लड कैंसर के मामले में ट्यूमर नहीं होता है। एक बात यह भी ध्यान रखने योग्य है कि हर ट्यूमर कैंसर नहीं होता है। भारत में कैंसर के प्रकार में छह तरह के कैंसर ज्यादा होते हैं, जिसमें फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, पेट का कैंसर, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर शामिल है। आसान शब्दों में कहें तो कैंसर शरीर में होने वाली असामान्य स्थिति है, जिसमें कोशिकाएं असाधारण रूप से बढ़ने लगती हैं और बढ़ी हुई चर्बी की एक गांठ बन जाती है, जिसे ट्यूमर कह सकते हैं। यह शरीर के किसी भी अंग में हो सकता है। आमतौर पर कैंसर में होने वाले ट्यूमर दो तरह के होते हैं। पहला बिनाइन ट्यूमर और दूसरा मैलिग्नैंट ट्यूमर। मैलिग्नैंट ट्यूमर शरीर के दूसरे हिस्सों में फैलता है, जबकि बिनाइन नहीं फैलता है। सभी कैंसर के लक्षण उसके प्रकार और स्थान के अनुसार अलग-अलग होते हैं, लेकिन कुछ अन्य लक्षण भी हैं, जो देखे जा सकते हैं जैसे शरीर का वजन अचानक कम होना या बढ़ना, ज्यादा थकान और कमजोरी महसूस होना, त्वचा में गांठ बनना, रंग में बदलाव, पाचन संबंधी समस्या, कब्ज या दस्त होना, आवाज बदलना, जोड़ों-मांसपेशियों में दर्द, घाव ठीक होने में समय लगना, भूख कम लगना, लिम्फ नोड्स में सूजन आदि।

यूं तो कैंसर होने के पीछे कोई ज्ञात कारण नहीं है, लेकिन कुछ पदार्थ जिन्हें कार्सिनोजन कहा जाता है, वे प्रमुख कारणों में से एक हैं। ये कारक कैंसर होने की संभावना को बढ़ाते हैं। कैंसर के प्रमुख जोखिम कारकों में तंबाकू या उससे बने उत्पाद जैसे सिगरेट, गुटखा या चुइंगम आदि का लंबे समय तक सेवन फेफड़े या मुंह के कैंसर का कारण बन सकता है। लंबे समय तक शराब पीना लिवर कैंसर को बढ़ावा देता है। साथ ही शरीर के अन्य कई हिस्सों में कैंसर के खतरे को बढ़ावा देता है। कैंसर के लिए जीन भी एक प्रमुख कारण है। यदि परिवार में किसी को कैंसर का इतिहास है, तो इस बीमारी के होने की संभावना ज्यादा होती है। वायरस जो कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं, उनमें हेपेटाइटिस बी और सी होते हैं, जो 50 प्रतिशत तक लिवर कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं।
साथ ही ह्यूमन पैपिलोमा वायरस 99.9 प्रतिशत मामलों में सर्वाइकल कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। अनहेल्दी फूड्स या रिफाइंड खाद्य पदार्थ, जिनमें फाइबर की मात्रा कम होती है, वे कोलन कैंसर की संभावना को बढ़ाते हैं। बार-बार एक्स-रे करवाने के कारण भी रेडिएशन के संपर्क में आने से कैंसर होने के खतरे को बढ़ावा मिलता है।

कैंसर के ज्यादातर मामलों में ट्यूमर होता है और इन्हें गंभीरता के आधार पर चार स्टेज में बांटा गया है। पहला स्टेज 0, इस स्टेज में कैंसर नहीं होता है, लेकिन शरीर में कुछ असाधारण कोशिकाएं मौजूद हो सकती हैं, जो कभी भी कैंसर की संभावना को बढ़ा सकती हैं। दूसरा स्टेज 1, प्रथम स्टेज में कैंसर का ट्यूमर छोटा होता है। इसमें कैंसर की कोशिकाएं सिर्फ एक क्षेत्र में फैली होती हैं। तीसरा स्टेज 2 और 3, दूसरे और तीसरे स्टेज में शरीर के ट्यूमर का आकार बड़ा हो जाता है और कैंसर की कोशिकाएं अपने पास के स्थित अंगों और लिम्फ नोड्स में फैलती हैं। चौथा स्टेज 4, चौथे चरण में कैंसर अपने आखिरी स्टेज में होता है। इसे मेटास्टेटिक कैंसर भी कहा जाता है। यह स्टेज जानलेवा साबित हो सकता है। इसमें कैंसर दूसरे अंगों तक फैल चुका होता है।

कैंसर का इलाज उसके प्रकार, स्टेज और स्थान के आधार पर किया जाता है। यह डॉक्टर तय करते हैं कि कैंसर के लिए कौन सा उपचार सही है। सामान्य तौर पर कैंसर का इलाज सर्जरी, नॉन-सर्जरी, हार्मोन थेरेपी, इम्यूनोथेरेपी, कीमोथेरेपी और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट आदि द्वारा किया जाता है। कैंसर के इलाज में सर्जरी द्वारा कोशिकाओं के असाधारण रूप से बढ़ने वाले हिस्से को निकाल दिया जाता है। इसे बायोप्सी तकनीक द्वारा किया जाता है, जब ट्यूमर तक आसानी से पहुंचा जा सके। यदि कैंसर दूसरे हिस्सों में नहीं फैला है तो सर्जरी बेस्ट ऑप्शन है। रेडिएशन थेरेपी नॉन सर्जिकल प्रक्रिया है, जो कैंसर कोशिकाओं पर सीधा असर करती है। इसमें गामा रेडिएशन की मदद से असामान्य रूप से बढ़ रही कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है। कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी कई चरणों में की जाती है। इसमें विशेष प्रकार के ड्रग्स, दवा के जरिए बढ़ रही कैंसर कोशिकाओं को नष्ट किया जाता है। इम्यूनोथेरेपी इम्यून सिस्टम को कैंसर कोशिकाओं से लड़ने के लिए प्रबल बनाती है। हार्मोन थेरेपी के जरिए हार्मोन से प्रभावित कैंसर का इलाज किया जाता है। इस थेरेपी से प्रोस्टेट कैंसर और स्तन कैंसर का काफी सुधार होता है।

योग में समाहित है सनातन संस्कृति की सांसें-स्वामी परमार्थ देव

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। पीपाड़ शहर में पतंजलि योग समिति के सानिध्य में चल रहे 25 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर में मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित मोराराजी देसाई नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ योग द्वारा आयोजित 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अभ्यास प्रोटोकॉल गोकुल बाबू डिग्री कॉलेज पब्लिक मांटेसरी उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर पीपाड़ शहर में आयोजित किया जा रहा है।

योग को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में योग विद्या को आमजन तक पहुंचाने की जरूरत है। भौतिकता भरे युग में योग ही एक ऐसा सहारा है जिससे व्यक्ति सामर्थ्य, आत्मनिर्भर और आध्यात्मिक बन सकता है। यह बातें निःशुल्क 25 दिवसीय इंटीग्रेटेड योग शिविर पीपाड़ में मुख्य केंद्रीय प्रभारी पतंजलि योगपीठ हरिद्वार स्वामी डॉक्टर परमार्थ देव महाराज ने कही। योग प्रोटोकॉल योग शिक्षक डॉक्टर भगवान राम परिहार ने बताया की पतंजलि विश्वविद्यालय एंव भारत स्वाभिमान (न्यास) , के संयुक्त तत्वाधान में योग,यज्ञ, आयुर्वेद, स्वदेशी एवं सनातन संस्कृति एंव संगठन सेवा के विस्तार हेतू पीपाड़ नगर में योग गुरु मुख्य प्रभारी पतंजलि योग पीठ हरिद्वार प्रभारी स्वामी डॉ. परमार्थ देव महाराज का 10 मई तक शिविर में मार्ग दर्शन रहेगा।

पच्चीस दिवसीय योग शिविर में प्रतिदिन सैकड़ो की तादात में नगर समेत आस-पास से आए युवा, बुजुर्ग व महिलाओं ने स्वामी परमार्थ देव महाराज के सानिध्य में योग के लाभ एवं शास्त्र युक्त ज्ञान व योग के विषय में जाना। इस अवसर पर पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी समंदर सिंह, करना राम प्रांतीय सोशल मीडिया प्रभारी, प्रमोद कुमार माचरा, महिला प्रभारी सुजाता शर्मा,राज्य कार्यालय प्रभारी राम चौधरी, पीपाड़ नगर पतंजलि योग समिति के दुलीचंद सोनी, भोमाराम सोलंकी, जगदीश देवड़ा, मदनलाल बागरा, नरेश सांखला, गीतांजलि टांक, अंजली आर्य, मुकेश कच्छवाहा,योग शिक्षक नरेश टाक,कोमल वैष्णव,राजेंद्र लखारा, रवि सेवक सहित कई योग साधक संपूर्ण कार्य की व्यवस्था देखरेख में भागीदारी निभा रहे है, कार्यक्रम का संचालन उद्घोषक डॉक्टर राम अकेला ने किया।

योग को अपने जीवन में अंगिकार किया जाए

जागरूक जनता से विशेष बातचीत में स्वामी परमार्थ देव महाराज ने कहा कि योग में सनातन संस्कृति की सांसे समाहित है। योग केवल आसन प्राणायाम ही नहीं बल्कि मन इंद्रियों से विजय प्राप्त कर ईश्वर प्राप्ति का साधन भी है। यदि तन्मयता लगन निरंतरता से योग को अपने जीवन में अंगीकार किया जाए तो उस परमपिता परमेश्वर से एकाकार होने में कोई नहीं रोक सकता। योग सनातन संस्कृति की एक ऐसी विधा है जो कभी कंदरा,गुफा में कैद थी।स्वामी बाबा रामदेव ने इसे जन जन तक पहुंचा दिया। भोमाराम सोलंकी ने सभी आने वाले योग साधकों का रजिस्ट्रेशन किया, समाजसेवी गायत्री परिवार के मदन लाल बागरा व लक्ष्य आर्य योग के साथ प्रतिदिन यज्ञ करने की सेवा दे रहे है।

डिजिटल विधानसभा के लिए त्रिपार्टी एमओयू

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया है कि विधानसभा के सभागार में सदस्यों की सीटों पर कम्प्यूटर उपकरण स्थापित करने और विधानसभा सचिवालय को पेपरलैस किये जाने के लिए त्रिपार्टी एमओयू किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि राजस्थान विधानसभा को डिजिटल किये जाने की प्रक्रिया आरम्भ हो गई है और कार्य की डीपीआर तैयार हो गई है। यह त्रिपार्टी मेमोरेंडम ऑफ अण्डर स्टेण्डिंग केन्द्र सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय, राजस्थान सरकार और राजस्थान विधानसभा के मध्य हुआ है।

राजस्थान ब्राह्मण महासभा विद्याधर नगर इकाई एवं वार्ड 24 भाजपा कार्यकर्ता ने पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा विद्याधर नगर इकाई एवं वार्ड 24 के भाजपा कार्यकर्ताओं के सहयोग से बेजुबान पक्षियों के लिए परशुराम पार्क, ब्राह्मण महासभा परिसर, शिव हनुमान मंदिर पार्क, राधा गोविंद मंदिर पार्क, सेक्टर 4 विद्याधर नगर एवं कृष्णा पार्क जेपी कॉलोनी में परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर सभी ने नियमित पानी भरने का भी संकल्प लेते हुए परिंडे बांधे। इस अवसर पर रवि शंकर शर्मा अध्यक्ष राजस्थान ब्राह्मण महासभा विद्याधर नगर एवं मनोज शर्मा भाजपा वार्ड अध्यक्ष 24 सतीश कुमार जागा भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष, हर्षा सागर महिला मोर्चा अध्यक्ष, भगवान सहाय पटवा, हरिओम चौहान, ममता शर्मा, समाजसेवी ओमप्रकाश शर्मा, बजरंग लाल शर्मा, पंकज पुजारी, नीलम कुमावत, रविंद्र सिंह,संतोष कुमार शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं युवा शक्ति कार्यक्रम में उपस्थित होकर सराहनीय सहयोग दिया। अंत में सभी को सआभार धन्यवाद व्यक्त किया गया।

कृषि विभाग अधिकारियो द्वारा किया जा रहा है , बीटी कपास बीज की जांच एवं नमूना आहरण

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि विभाग के आदेश अनुसार मंगलवार को भीलवाड़ा कृषि खंड के भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ एवं शाहपुरा जिलो बीटी कपास बीज विक्रेता फर्मों की सघन जांच की गई।। कृषि विभाग के बीज निरीक्षकों द्वारा बीज नमूने आहरित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भिजवाए जा रहे हैं । अब तक 200 बीज विक्रेता फर्मों की जांच कर 102 बीज नमूने लिए जा चुके हैं । आज खंड के अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एवं कृषि आयुक्तालय, जयपुर से आये अधिकारियों के पर्यवेक्षण में भीलवाड़ा में मैसर्स स्वास्तिक बीज भंडार, अग्रवाल बीज उद्योग एवं हिंदुस्तान सीड्स एंड पेस्टिसाइड्स फर्मो की जांच कर बीटी कपास बीज के 6 नमूने आहरित किए गए एवं मैसर्स अग्रवाल बीज उद्योग, भीलवाड़ा पर राज्य में बिक्री हेतु गैर अनुमत बीटी कपास के 193 किग्रा बीज की बिक्री पर रोक लगाई गई ।

"मानसिक स्वास्थ्य : एक प्राथमिकता" विषय पर वेबीनार आयोजित

मानसिक बीमारियों का ईलाज भी संभव है

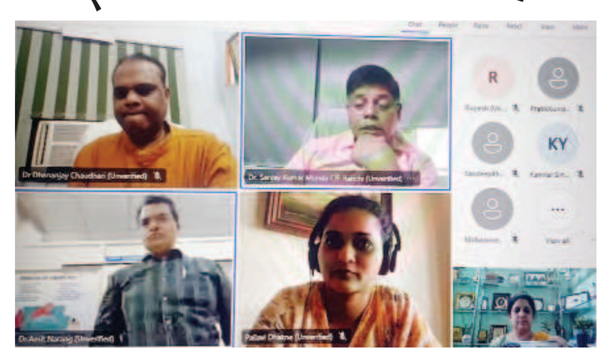

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। कम्युनिटी साइकैटरिस्ट सब कमिटी आई पी एस, गौतम हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर एवं इंडिया बैंक के संयुक्त तत्वाधान से "मानसिक स्वास्थ्यः एक प्राथमिकता" के विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ संजय मुंडा ने अवसाद एवं एंजायटी डिसऑर्डर के लक्षण व कारणों के बारे में बात करते हुए बताया कि मानसिक बीमारियां भी शारीरिक बीमारी की तरह होती है तथा दवाई व उपचार से पूर्णता ठीक हो सकती है। डॉ अनीता गौतम ने वर्क लाइफ बैलेंस के विषय पर बात करते हुए बताया कि हम तनाव को अपने आम दिनचर्या में कैसे कम कर सकते हैं। कार्यक्रम में डॉ धनंजय चौधरी अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। डॉ अमित नारंग, डॉ जायसी जिओ एवं डॉक्टर सिमरन, व लगभग 150 बैंक कर्मी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। डॉ पल्लवी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सांसद बोहरा ने किया रायड़ा न्यूज का विमोचन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने राजस्थान एग्रीकल्चरल इनपुट डीलर्स एसोसिएशन जयपुर के प्रकाशन रायड़ा न्यूज मासिक पत्रिका के प्रथम अंक का विमोचन किया। इस मौके पर रायडा संरक्षक और पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, जयपुर लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी मंजू शर्मा, राजस्थान कृषि अनुसंधान केंद्र दुर्गापुरा की निदेशक सुनीता गुप्ता भी मौजूद रहे।

रायड़ा के अध्यक्ष पुरुषोत्तम खण्डेलवाल ने बताया कि रायडा न्यूज के माध्यम से कृषि की आधुनिक तकनीक की जानकारी किसानो और आदान विक्रेताओं तक पहुंचाई जायेगी। महासचिव प्रमोद शर्मा के अलावा सह संपादक शिव दयाल मिश्रा ने भी अपने विचार रखें। कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक कृषि आदान विक्रेता भी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा की

समय पर पूरा हो चिकित्सा संस्थानों का निर्माण, गुणवत्ता का रखें विशेष ध्यान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने प्रदेश में स्थापित किए जा रहे नए मेडिकल कॉलेजों सहित चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े अन्य निर्माण कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के साथ ही गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

सिंह मंगलवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में विभिन्न प्रोजेक्ट के तहत चल रहे सिविल कार्यों की समीक्षा के दौरान कहा कि प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दृष्टि से विभिन्न चिकित्सा संस्थानों का निर्माण, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। अधिकारी इन कार्यों को समय पर पूरा करवाना सुनिश्चित करें। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने केंद्र प्रवर्तित योजना के तहत स्वीकृत मेडिकल कॉलेजों एवं राज्य मद से निर्माणाधीन चिकित्सा सुविधाओं के निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि सिविल कार्यों के साथ-साथ इन चिकित्सा संस्थानों के सुचारू संचालन के लिए उपकरणों की खरीद हेतु उपापन भी समय पर किया जाए, ताकि भवन निर्माण होने के बाद चिकित्सा संस्थानों के संचालन में विलंब नहीं हो। उन्होंने उपापन संबंधी कार्यों की भी समय-समय पर समीक्षा एवं मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। सिंह ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों के निर्माण एवं विस्तार के कार्य विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए जा रहे हैं। इन कार्यकारी एजेंसियों की समितियों में चिकित्सा शिक्षा विभाग का प्रतिनिधि भी आवश्यक रूप से शामिल हो ताकि भवनों के निर्माण के दौरान चिकित्सा की दृष्टि से तकनीकी आवश्यकताओं का ध्यान रखा जा सके।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त श्री इकबाल खान, आरएसआरडीसी एवं एचएससीसी नोएडा के प्रबंध निदेशक, पीडब्ल्यूडी, राजमेस, आरयूआईडीपी, अजमेर विकास प्राधिकरण व जयपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता, एनबीसीसी दिल्ली के निदेशक, उप निदेशक राजमेस डॉ. वंदना शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पीपाड़ शहर माली समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

दिव्या देवड़ा की हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। जोधपुर के तिंवरी नया बेरा निवासी छात्रा का शव रोहट क्षेत्र में रेलवे ट्रेक पर मिलने से आक्रोशित पीपाड़ शहर माली समाज के लोगों ने मंगलवार को शहर में रैली निकाली। बाद में उपखंड कार्यालय परिसर पहुंच आरोपियों की गिरफ्तारी व निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम पीपाड़ शहर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

माली सैनी सेवा संस्थान सब्जी मण्डी अध्यक्ष जवरीलाल गहलोत सहित माली समाज के लोगों ने ज्ञापन में बताया कि 8 अप्रेल को तिंवरी नया बेरा निवासी छात्रा जोधपुर के केएन कॉलेज से घर जाते समय राईका बाग रेल्वे स्टेशन से गायब हो गई। परिजनों ने मथानियां पुलिस को सूचना दी। बाद में शाम को उदयमंदिर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। जांच में छात्रा की लोकेशन रोहट क्षेत्र के आसपास आई। अगले दिन परिजन लोकेशन के आधार पर पहुंचे तो नौ अप्रेल को रोहट से आगे सिंणगारी रेलवे फाटक और बुढली फाटक के मध्य अंडरपास के निकट रेलवे ट्रैक के पास उसका शव मिला। उसके शव के पास चप्पल, मोबाइल और बेग मिला। शरीर पर रेल से गिरने जैसे चोटें नहीं थी। ज्ञापन में उन्होंने छात्रा की हत्या की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की। उन्होंने ज्ञापन में कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग की।

पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच ग्रामीण डिप्टी रतनाराम देवासी को सौंपी। मामले में तुरंत कार्रवाई को लेकर समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कार्यवाही नहीं होने पर महापड़ाव की बात कही है। इस दौरान माली छात्रावास अध्यक्ष सुरेंद्र टाक, माली समाज अध्यक्ष सुखदेव कच्छावाह, पुर्व नगर पालिका चैयरमेन महेन्द्रसिंह कच्छावाह, बाबूलाल टाक, प्रभाकर टाक, सोहनलाल सांखला, रघुनाथ टाक, कैलाश टाक, भगाराम टाक, पप्पूराम गहलोत, अशोक, सोहनलाल, हनुमान राम भाटी, सोनाराम सहित युवा व समाज के पंचगण शामिल रहे।

रोडवेज को हर महीने 90 करोड़ का घाटा, दूसरे राज्यों की तुलना में चल रहीं आधी बसें

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में रोडवेज बसें बंद होने जा रही हैं? ये ऐसा सवाल है जो इस वक्त प्रदेश के हर रोडवेज कर्मचारी के जहन में उठ रहा है. इसका सबसे बड़ा कारण राजस्थान रोडवेज के बद से बदत्तर होते हालात हैं, जिसे आपको हम आंकड़ों से समझाएंगे। वर्तमान में राजस्थान रोडवेज 3659 बसों का संचालन कर रहा है, जिससे करीब 150 करोड़ रुपए का प्रतिमाह राजस्व अर्जित किया जा रहा है. मगर इन बसों के संचालन में 240 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं. यानी हर महीने रोडवेज प्रशासन को 90 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

510 नई बसें खरीदेगी सरकार

राज्य सरकार की ओर से हर साल करीब 1000 करोड़ रुपए से अधिक का अनुदान देकर रोडवेज निगम को चलाया जा रहा है, जिससे सरकार को भी आर्थिक रूप से नुकसान हो रहा है. ऐसे हालात में भी दिन प्रतिदिन रोडवेज बसों की संख्या घटती जा रही है, जिससे राजस्व घाटा बढ़ता जा रहा है. जबकि दूसरी ओर प्रदेश में निजी बस संचालन करने वाले ऑपरेटर तगड़ा मुनाफा कमा रहे हैं. डिप्टी सीएम व परिवहन मंत्री प्रेमचंद बैरवा का कहना है कि प्रदेश की भजनलाल सरकार बसों की संख्या को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रही है. आम जनता को राहत देने के लिए विभाग अपने स्तर पर तैयारी कर रहा है और जल्द ही 510 नई बसों को रोडवेज के बेड़े में शामिल किया जाएगा.

बसों की कम संख्या के कारण घाटा

रोडवेज अधिकारी रवि सोनी ने बताया कि यदि राज्य सरकार रोडवेज बसों की संख्या में बढ़ोतरी करती है तो रोडवेज निगम भी घाटे से उभर कर सरकार को राजस्व दे सकता है. जिस तरह दूसरे राज्यों में बसों की संख्या 8 से 10 हजार तक है, वैसे ही राजस्थान रोडवेज को भी नई बसों की आवश्यकता है. यदि सरकार सहयोग करे तो रोडवेज भी घाटे से उभर सकता है. फिलहाल विभाग में 510 नई बसें शामिल होने जा रही हैं, लेकिन दूसरे राज्यों की तुलना में यह संख्या बेहद कम है. ऐसे में राजस्व घाटा से कुछ हद तक उभरने में मदद तो मिलेगी लेकिन हर महीने होने वाला ये नुकसान प्रोफिट में तब्दील नहीं हो पाएगा।

हॉस्पिटल केयर टेकर प्रतियोगी परीक्षा-2022 -पात्रता जांच हेतु अतिरिक्त विचारित सूची जारी

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा हॉस्पिटल केयर टेकर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत पात्रता जांच हेतु अभ्यर्थियों की अतिरिक्त विचारित सूची जारी की गई है। इसमें टीएसपी क्षेत्र के 5 एवं नॉन टीएसपी क्षेत्र के 77 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच हेतु अस्थाई रूप से विचारित सूची में शामिल किया गया है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के तहत पात्रता जांच गत वर्ष 11 अक्टूबर को विचारित सूची जारी की गई थी। इनमें अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों के अधिक संख्या में अपात्र पाए जाने के कारण 82 अभ्यर्थियों को अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विचारित सूची चयन या वरीयता सूची नहीं है। इसका उद्देश्य मात्र दस्तावेज सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करना है।